CNews सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-338
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

जीवन में संघर्ष जितना कठिन होगा सफलता उतनी ही ऊंची और शानदार होगी।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शनिवार 15 मार्च 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

अमृतसर में धमाका....ठाकुरद्वारा मंदिर पर आधी रात बम विस्फोट से हड़कंप

पंजाब के अमृतसर में शुक्रवार (14 मार्च) की रात बड़ा धमाका हुआ। खंडवाला स्थित ठाकुरद्वारा मंदिर पर बाइक सवार दो युवकों ने ग्रेनेड फेंककर हमला बोला। वीडियो में बाइक सवार युवक मंदिर पर हमला करते साफ दिख रहे हैं। पुलिस ने दोनों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस का कहना है कि ऐसे हमलों के पीछे पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई का हाथ है।

जानकारी के मुताबिक, शुक्रवार की रात 12:35 बजे दो युवक बाइक पर आए। हाथ में झंडा था। दोनों कुछ देर तक मंदिर के बाहर खड़े रहे। फिर मंदिर की पहली मंजिल पर बम जैसी वस्तु फेंककर भागे। कुछ देर बाद मंदिर में जोरदार धमाका हुआ। धमाके की आवाज से इलाके में दहशत फैल गई।

बाल-बाल बचे पुजारी मंदिर के पुजारी मुरारी लाल शर्मा अंदर सो रहे थे। शुक्र है पुजारी बाल-बाल बच गया। पुजारी ने छेहर्टा थाना पुलिस को जानकारी दी। धमाके से मंदिर की पहली मंजिल का बाहरी हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। सूचना पर पुलिस पहुंची। पुलिस ने सीसीटीवी को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है।

अपनी जिंदगी बर्बाद न करें?अमृतसर के कमिश्नर जीपीएस भुल्लर ने कहा कि हमें रात 2 बजे सूचना मिली। हम तुरंत मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम को बुलाया। हमने सीसीटीवी चेक किए और आस-पास के लोगों से बात की। पाकिस्तान की आईएसआई समय समय पर हमारे युवाओं को पंजाब में अशांति फैलाने के लिए बहकाती है। हम कुछ ही दिनों में इस मामले का पता लगा लेंगे और उचित कार्रवाई करेंगे। मैं उन्हें चेतावनी देता हूं कि अपनी जिन्दगी बर्बाद न करें... हम जल्द ही दोषियों को पकड़ लेंगे...

पंजाब में शांति भंग करने की कोशिश मंदिर पर हमले पर की घटना को लेकर सीएम भगवंत मान ने कहा कि पंजाब में शांति भंग करने की हमेशा कई कोशिशें समय-समय पर होती रहती हैं। ड्रग्स, गैंगस्टर, जबरन वसूली इसी का हिस्सा हैं। दूसरे राज्यों में होली के त्योहार के दौरान पुलिस को जुलूसों के दौरान लाठीचार्ज करना पड़ता लेकिन पंजाब में ऐसी चीजें नहीं होती। पंजाब में कानून व्यवस्था की स्थिति अच्छी है। पंजाब लॉ एंड ऑर्डर के लिहाज से पूरी तरह सेफ हैं। पाकिस्तान से ड्रोन आ रहे हैं। पाकिस्तान की कोशिश है और ये कोशिशें पहले भी होती रही है।

पुणे में महिला कर रही थी अफीम की खेती, छापे में मिले 66 पेड़

पुणे महाराष्ट्र के पुणे से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है. यहां एक महिला ने खेती के नाम पर सड़क किनारे ही अफीम की खेती शुरू कर दी. जब इसकी खबर पुलिस को लगी तो सबके होश उड़ गए. आनन-फानन में पुलिस ने खेत पर छापा मार कार्रवाई की जिसमें पूरा खेत अफीम से भरा हुआ था. पुलिस ने छापेमारी के दौरान अफीम को फसल को जब्त किया और खेती करने वाली महिला को गिरफ्तार कर लिया है. पूरा मामला पुणे के आलंदी में सड़क किनारे का है. आलंदी म्हातोबा गांव के इलाके में अफीम की खेती पाई गई, लोनी कालभोर पुलिस ने महिला के खिलाफ नशीले पदार्थ की खेती करने का मामला दर्ज कर लिया है. लोनी कालभोर पुलिस को सूचना मिली कि आलंदी म्हातोबा में सड़क किनारे की जमीन पर अफीम की खेती की गई है. इस पर पुलिस टीम ने मौके पर छापा मारा तो वहां 66 अफीम के पेड़ लगे हुए थे. इस मामले में लोनी कलभोर पुलिस स्टेशन में महिला (उम्र 45, अमराई वरती, आलंदी म्हातोबा) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है. इससे पहले लोनी कालभोर इलाके में अफीम उत्पादकों के खिलाफ दो मामले दर्ज किए गए हैं. अफीम की खेती करने के लिए सरकार से लाइसेंस लेना जरूरी होता है. अगर कोई व्यक्ति बिना लाइसेंस इसका एक पौधा भी उगाता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाती है. अफीम की खेती के लिए लाइसेंस सरकार की तरफ से तय किया जाता है. अफीम का उपयोग कई तरह की दवाइयां बनाने के लिए किया जाता है. लेकिन इसका इस्तेमाल नशा करने के लिए भी किया जाता है. इसलिए इसकी खेती सिर्फ सरकारी लाइसेंस लेकर ही की जा सकती है. बिना लाइसेंस इसकी खेती कानूनी रूप से अपराध है, जिस पर कड़ी सजा का प्रावधान किया गया है.

भाषा पर पवन कल्याण का तंज, बोले-हिंदी का विरोध करेंगे और फिल्में डब कर लाभ कमाएंगे

काकीनाडा (आंध्र प्रदेश). केंद्र सरकार और तमिलनाडु के बीच चल रहे भाषा विवाद के बीच जनसेना पार्टी के प्रमुख और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने शुक्रवार को भारत की भाषाई विविधता को संरक्षित करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने यह भी कहा कि देश को सिर्फ दो नहीं, तमिल समेत अनेक भाषाओं की जरूरत है। उन्होंने आश्चर्य जताया कि कुछ लोग हिंदी का विरोध क्यों कर रहे हैं। हैरानी की बात यह है कि वही लोग फिल्मों को हिंदी में डब कर लाभ कमाने की अनुमति भी दे रहे हैं।

काकीनाडा जिले में एक कार्यक्रम में पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कल्याण ने कहा, 'भारत को दो नहीं, अनेक भाषाओं की जरूरत है। हमें भाषाई विविधता को अपनाना चाहिए। सिर्फ अपने देश की अखंडता को बनाए रखने के लिए ही नहीं, बल्कि अपने लोगों के बीच प्रेम और एकता को बढ़ावा देने के लिए भी यह जरूरी है।'

तमिलनाडु-केंद्र विवाद के बीच आई टिप्पणी दरअसल, पवन कल्याण जिले के पीथापुरम शहर में जनसेना पार्टी के 12वें स्थापना दिवस समारोह में बोल रहे थे। उनकी यह टिप्पणी तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की ओर से केंद्र सरकार पर हिंदी थोपने के आरोपों पर के बीच आई है। मामला राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के त्रि-भाषा फॉर्मूले को लेकर शुरू हुआ था।

'वित्तीय लाभ के लिए अपनी फिल्मों को हिंदी में डब करने की अनुमति देते हैं?' द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (डीएमके) पर सीधे नाम लिए बिना कटाक्ष करते हुए पवन कल्याण ने तमिलनाडु के राजनेताओं पर पाखंड का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि वे हिंदी का विरोध करते हैं, लेकिन वित्तीय लाभ के लिए तमिल फिल्मों को हिंदी में डब करने की अनुमति देते हैं। उन्होंने पूछा, 'मुझे समझ में नहीं आता कि कुछ लोग संस्कृत की आलोचना क्यों करते हैं। तमिलनाडु के राजनेता हिंदी का विरोध क्यों करते हैं, जबकि वित्तीय लाभ के लिए अपनी फिल्मों को हिंदी में डब करने की अनुमति देते हैं? वे बॉलीवुड से पैसा चाहते हैं, लेकिन हिंदी को स्वीकार करने से इनकार करते हैं। यह किस तरह का तर्क है?'

गैर मर्दों से पत्नी की अश्लील चैटिंग कोई पति नहीं कर सकता बर्दाश्त- MP हाई कोर्ट

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने हाल ही में एक महिला की उस अपील को खारिज कर दिया है, जिसमें उसने तलाक की याचिका को मंजूरी देने वाले फैमिली कोर्ट के आदेश को चुनौती दी थी। फैमिली कोर्ट ने पति के खिलाफ क्रूरता के आधार पर तलाक की अर्जी को मंजूरी दी थी। महिला की याचिका पर सुनवाई के दौरान जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस सिंह की पीठ ने गौर किया कि पत्नी अपने पुरुष मित्रों के साथ अपनी सेक्स लाइफ के बारे में बातचीत कर रही थी। बार एंड बेंच की रिपोर्ट के मुताबिक कोर्ट ने कहा कि शादी के बाद पति या पत्नी अपने दोस्तों के साथ अभद्र या अश्लील बातचीत नहीं कर सकते। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा, कोई भी पति यह बर्दाश्त नहीं करेगा कि उसकी पत्नी मोबाइल पर इस तरह की अश्लील चैटिंग करे। शादी के बाद पति और पत्नी दोनों को चैटिंग और अन्य माध्यमों से दोस्तों के साथ बातचीत करने की स्वतंत्रता है, लेकिन बातचीत का स्तर एक दायरे में होना चाहिए।

मुंबई-अमरावती एक्सप्रेस का ट्रक से टक्कर, बोदवड स्टेशन पर हुआ हादसा, सभी यात्री सुरक्षित

शुक्रवार (14 मार्च) को मुंबई-अमरावती एक्सप्रेस ट्रेन का एक ट्रक से टक्कर हो गया। यह हादसा भुसावल डिवीजन के बोदवड रेलवे स्टेशन पर हुआ, जो भुसावल और बदनेरा सेक्शन के बीच स्थित है। घटना तब हुई जब ट्रक ने बंद रेलवे क्रॉसिंग को पार करने की कोशिश की, जिसके बाद ट्रेन से टक्कर हो गई। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इस घटना में ट्रक चालक या ट्रेन के किसी भी यात्री को चोट नहीं आई। हादसे के कारण कुछ समय के लिए रेलवे ट्रैफिक प्रभावित हुआ, लेकिन सुबह 8:50 बजे तक इसे फिर से बहाल कर दिया गया।

रेलवे अधिकारियों का बयान सेंट्रल रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी डॉ. स्वप्नील निला ने बताया, आज सुबह भुसावल डिवीजन के बोदवड स्टेशन पर ट्रेन नंबर 12111, जो छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस से अमरावती के लिए चल रही थी, का एक हादसा हुआ। एक ट्रक ने बंद क्रॉसिंग को अनधिकृत रूप से पार करने की कोशिश की, जिसके बाद टक्कर हो गई। इस घटना में किसी को चोट नहीं आई है, लेकिन इसके कारण ट्रैफिक प्रभावित हुआ। अब ट्रैफिक बहाल कर दिया गया है और ट्रेनें चल रही हैं। यह घटना सुबह लगभग 4:30 बजे हुई थी।घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आया है, जिसमें देखा जा सकता है कि ट्रक ट्रेन से टकराने के बाद क्षतिग्रस्त हो गया। हालांकि, ट्रेन को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ और यात्रियों की सुरक्षा बरकरार रही।

रेलवे ट्रैफिक बहाल हादसे के बाद रेलवे अधिकारियों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति को कंट्रोल किया। कुछ समय के लिए ट्रेनों का परिचालन रोक दिया गया था, लेकिन जल्द ही इसे फिर से शुरू कर दिया गया। रेलवे ने यात्रियों से अनुरोध किया है कि वे सफर के दौरान सतर्क रहें और रेलवे नियमों का पालन करें।

दहेज मामले में कर्नाटक हाईकोर्ट का ऐतिहासिक फैसला, बहू को प्रताड़ित करने वाले सास-ससुर को राहत नहीं

कर्नाटक हाईकोर्ट ने दहेज प्रताड़ना के मामले में ऐतिहासिक फैसला सुनाया है। इसमें महिला के ससुराल वालों पर आरोपों को खारिज करने से इंकार किया गया है। न्यायमूर्ति एम नागप्रसन्ना ने यह फैसला उस चायिका पर सुनवाई करते हुए सुनाया है, जिसमें सास-ससुर ने अपने खिलाफ लगे आरोप रद्द करने की मांग की थी। आरोपों में भारतीय दंड संहिता की धारा 498 (क्रूरता), 504 (गाली-गलौज), 506 (धमकी), 323 (शारीरिक उत्पीड़न), 324 (घातक हथियार से हमला) और 34 (सामूहिक अपराध) शामिल थे।

याचिकाकर्ता की मांग याचिकाकर्ताओं ने दावा किया कि उन्होंने कभी दहेज की मांग नहीं की। आरोप सिर्फ पति के खिलाफ हैं, लेकिन हम लोगों को अनावश्यक रूप से मामले में घसीटा गया है। उन्होंने यह भी कहा कि दहेज निषेध अधिनियम की धारा 3 और 4 के तहत दंडनीय अपराध हटा दिए गए हैं। इसलिए याचिकाकर्ताओं के खिलाफ आईपीसी की धारा 498 के तहत आरोप नहीं लगाए जा सकते।

गवाहों ने की प्रताड़ना की पुष्टि कर्नाटक हाईकोर्ट ने महिला द्वारा प्रस्तुत सबूतों को गंभीरता से लिया है। इनमें महिला के साथ शारीरिक और मानसिक उत्पीड़न की पुष्टि होती है। चश्मदीद गवाह ने भी बताया कि याचिकाकर्ताओं ने महिला पर हमला किया है।

दूसरे अपराध नजरअंदाज नहीं सकते कर्नाटक हाईकोर्ट ने यह भी कहा-दहेज निषेध अधिनियम के तहत अपराध हटा दिए गए हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि दूसरे अपराधों की जांच को नजरअंदाज किया जाए। इस फैसले ने यह स्थापित किया कि अगर किसी महिला के खिलाफ उत्पीड़न हुआ है, तो उसके खिलाफ सबूतों के आधार पर न्याय सुनिश्चित किया जाएगा, भले ही दहेज के लिए आरोप न लगाए गए हों।

7 करोड़ का गबन करने वाला क्लर्क 16 दिन से गायब, अब मिला सुसाइड नोट

जबलपुर मध्य प्रदेश के जबलपुर में स्थानीय निधि संपरीक्षा कार्यालय में 7 करोड़ रुपये के गबन का खुलासा हुआ है. ओमती थाना में एफआईआर दर्ज होने के बाद से आरोपी संदीप शर्मा 28 फरवरी से फरार है. इसी बीच, उसका एक सुसाइड नोट सामने आया है, जिसमें उसने गबन की पूरी जिम्मेदारी खुद ली है. उसने सुसाइड नोट में लिखा, 'उसने सहकर्मियों की आईडी और पासवर्ड का गलत इस्तेमाल किया और फर्जीवाड़ा किया, इसलिए अब मैं आत्महत्या कर रहा हूं.' अब इस खुलासे के बाद प्रशासन में हड़कंप मच गया है.मामले को लेकर बड़ा सवाल यह है कि क्या संदीप वाकई अकेला था, या इसके पीछे बड़े अधिकारियों की संलिप्तता भी है? मुख्य आरोपी लिपिक संदीप शर्मा पर आरोप है कि उसने फर्जी बिलों पर अधिकारियों से हस्ताक्षर कराकर डिजिटल दस्तावेजों में हेरफेर किया. उसने बढ़ी हुई राशि अपने पत्नी और परिचितों के खातों में ट्रांसफर कर दी. इस घोटाले का पर्दाफाश तब हुआ जब एक बिल की कागजी और डिजिटल प्रतियों में अलग-अलग रकम दर्ज मिली. शुरुआती जांच में 55 लाख रुपये की हेराफेरी का पता चला था, लेकिन अब यह आंकड़ा बढ़कर 7 करोड़ रुपये से अधिक हो चुका है. मामले के उजागर होते ही सहायक संचालक प्रिया विश्नोई और संपरीक्षक सीमा अमित तिवारी को निलंबित कर दिया गया, जबकि संयुक्त संचालक मनोज बरहैया का तबादला कर दिया गया. उनकी जगह रीवा से अमित विजय पाठक को नियुक्त किया गया है. चौंकाने वाली बात यह है कि जिन जॉइंट डायरेक्टर के मोबाइल पर भुगतान से जुड़े हवाले आए थे, उन्हें जांच समिति में शामिल कर लिया गया है, जबकि उनकी भूमिका भी संदिग्ध है. विधायक ने इस पर सवाल उठाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की है. जांच में खुलासा हुआ कि संदीप शर्मा दस्तावेजों में हेरफेर कर शासकीय धनराशि अपने और अपने रिश्तेदारों के खातों में ट्रांसफर करता था. वह कई रिटायर्ड कर्मचारियों की ग्रेच्युटी की राशि भी गबन कर चुका था. इस गड़बड़ी का फायदा उठाते हुए वह महंगी जीवनशैली जी रहा था. फ्लाइट से सफर, लग्जरी होटलों में ठहरना और हर महीने अपनी 34 हजार रुपये की सैलरी के बावजूद 4.44 लाख रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करना. आरोपी ने अपनी पत्नी स्वाति शर्मा और 34 अन्य लोगों के खातों में यह पैसा ट्रांसफर किया. जब मामला खुला, तो प्रशासन ने तत्काल एक्शन लेते हुए जांच शुरू की. बीजेपी विधायक अजय विश्नोई ने मुख्यमंत्री मोहन यादव को पत्र लिखकर उच्च स्तरीय जांच की मांग की है. उन्होंने आरोप लगाया कि कोषालय के एक कर्मचारी ने वरिष्ठ अधिकारियों की ड्डष्ठ का इस्तेमाल कर फर्जी बिल पास कराए और करोड़ों रुपये गबन कर लिए. यह घोटाला कब से चल रहा था, कितने बिलों में हेरफेर की गई और कितने और लोग इसमें शामिल थे? इसका खुलासा पूरी जांच के बाद ही हो पाएगा. लेकिन इस घटना ने सरकार की वित्तीय प्रणाली में मौजूद गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है. प्रशासन सकते में है और पुलिस आरोपी बाबू की तलाश में जुटी है. संदीप ने सुसाइड नोट में लिखा है, 'मैं संदीप शर्मा पूरे होश होवास में लिख रहा हूं की यह सभी ड्डष्ठ का यूज मैंने ही किया है. जितने भी बिल फर्जी लगे हैं, मैंने इनकी आईडी उसे किया है. इस संबंध में कोई भी किसी प्रकार के दोषी नहीं है. सभी की आईडी का यूज मैंने किया है. मैंने सभी के साथ विश्वास घात किया है. मैं इस कारण कार्यालय नहीं आ सकता. इसलिए मैं यह सब लिख रहा हूं और शायद अब कभी नहीं आ पाऊंगा. मेरे पास और कोई रास्ता नहीं है, इसलिए में आत्महत्या करने जा रहा हूं. यह फैसला मेरा है इसमें कोई भी किसी प्रकार का दोषी नहीं है. संदीप ने आगे लिखा है, 'गलती मैंने की है तो सजा मुझे मिलनी चाहिए. सीमा मेम, प्रिया मेम आदरणीय जेडी सर इन सब की आईडी का गलत इस्तेमाल मैंने गलत तरीके से किया है. हो सके तो माफ कर दीजिएगा. कोई भी रास्ता अब समझ में नहीं आ रहा है, इसलिए मैं संदीप शर्मा आत्महत्या करने जा रहा हूं. यह फैसला मेरा है, किसी का कोई दबाव नहीं है. हो सके तो क्षमा करिएगा. परिवार वालों से नजरे नहीं मिला सकता, मैं उनका भी दोषी हूं.' यह सुसाइड नोट छोड़ने के बाद 28 फरवरी से संदीप शर्मा गायब है.

इंदौर के एमजीएम मेडिकल कॉलेज में खुलेगा आईवीएफ सेंटर, कम खर्च में होगा इलाज

इंदौर। एमजीएम मेडिकल कॉलेज में इन विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) सेंटर खोलने की तैयारी की जा रही है। इसके लिए कॉलेज प्रबंधन ने 10 करोड़ रुपये का प्रस्ताव बनाकर भोपाल भेज दिया है। इसके शुरू होने से यहां नि:संतान दंपतियों को रियायती दरों पर इलाज मिल सकेगा। इसके लिए लंबे समय से योजना बनाई जा रही थी। निजी अस्पतालों में आईवीएफ का खर्च 1.5 से तीन लाख रुपये तक आता है। इस सेंटर के शुरू होते ही उन सभी नि:संतान दंपतियों को फायदा होगा जो धनराशि के अभाव में निजी आईवीएफ सेंटर में उपचार नहीं करवा पाते हैं। सेंटर कॉलेज के अंतर्गत आने वाले एमटीएच अस्पताल में शुरू किया जाएगा। भोपाल से अनुमति मिलने के बाद इसका काम शुरू कर दिया जाएगा। दावा किया जा रहा है कि यह प्रदेश का पहला शासकीय अस्पताल होगा, जहां यह सुविधा मिलेगी।

संभागभर के नि:संतान दंपतियों को मिलेगा लाभ एमजीएम मेडिकल कॉलेज के अंतर्गत आने वाले अस्पतालों में संभागभर से मरीज इलाज के लिए आते हैं। ऐसे में इस सेंटर के खुलने से इंदौर के

साथ ही संभाग के अलीराजपुर, झाबुआ, बड़वानी, धार आदि जिलों के मरीजों को इसका लाभ मिलने लगेगा।

यह होता है आईवीएफ विशेषज्ञों के मुताबिक आईवीएफ में पुरुष और महिला दोनों की जांच के बाद प्रक्रिया शुरू होती है। पुरुष के सक्रिय शुक्राणु अलग किए जाते हैं, जबकि महिला के अंडे इंजेक्शन से निकालकर लैब में फ्रीज किए जाते हैं। अंडों पर सक्रिय शुक्राणु रखकर प्राकृतिक रूप से फर्टिलाइजेशन किया जाता है। तीसरे दिन भ्रूण तैयार होने पर उसे महिला के गर्भाशय में कैथिटर के जरिये स्थानांतरित किया जाता है। आईवीएफ गर्भधारण की एक कृत्रिम प्रक्रिया है। इस प्रक्रिया के माध्यम से पैदा हुए बच्चे को टेस्ट ट्यूब बेबी कहा जाता है।

अभी बिना इलाज के लौट जाते हैं मरीज इंदौर शहर में अभी निजी क्षेत्र में करीब 30 आईवीएफ सेंटर संचालित हो रहे हैं, जहां बड़ी संख्या में जरूरतमंद लोग पहुंचते हैं। यह प्रक्रिया महंगी होने के कारण कई लोगों को निराश लौटना पड़ता है। सरकारी स्तर पर सेंटर के खुलने पर गरीब और जरूरतमंद निःसंतान दंपती को सीधा फायदा होगा।

इंदौर के जावरा कंपाउंड की शराब दुकान हटाने की मांग:इंदौर शहर भाजपा अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कलेक्टर को लिखा पत्र

इंदौर । बीजेपी कार्यकर्ताओं ने इंदौर के जावरा कंपाउंड स्थित शराब दुकान को हटाने की मांग की है। नए वित्त वर्ष में यह दुकान नहीं हटाई गई, तो आंदोलन की चेतावनी दी है। जावरा कंपाउंड में भाजपा कार्यालय के पास स्थित इस शराब दुकान का संचालन एक मार्केट में किया जाता है। जब आकाश विजयवर्गीय विधायक थे, तब उन्होंने भी इस दुकान को हटाने की अनुशंसा की थी, क्योंकि यह उनके कार्यालय के पास स्थित थी। हालांकि, उस समय प्रशासन ने किसी भी शराब दुकान को नहीं हटाया और यह मामला ठंडे बस्ते में चला गया।

अब यह मामला फिर से गर्मा गया है। भाजपा की शहर इकाई के नए अध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कलेक्टर आशीष सिंह को पत्र लिखकर मांग की है कि 1 अप्रैल से जावरा कंपाउंड स्थित शराब दुकान को किसी अन्य स्थान पर शिफ्ट किया जाए।

इस संबंध में मिश्रा और कलेक्टर के बीच चर्चा भी हो चुकी है। साथ ही, मिश्रा ने पार्टी नेताओं को स्पष्ट कर दिया है कि यदि प्रशासन ने इस दुकान को नहीं हटाया, तो आंदोलन किया जाएगा। बताया जाता है कि रात के समय शराब खरीदने वाले कई लोग समीप स्थित राजमाता विजयाराजे सिंधिया की प्रतिमा के आसपास बैठकर शराब का सेवन करते हैं, जिससे माहौल खराब होता है।

मल्टी मॉडल ट्रांसपोर्ट सिस्टम होगा तैयार, मोबिलिटी कार्ड से कर सकेंगे सभी तरह के पब्लिक ट्रांसपोर्ट में सफर

इंदौर। शहर में यातायात को बेहतर बनाने के लिए एआईसीटीएसएल और एमपीएमआरसीएल ने मल्टी माडल ट्रांसपोर्ट के एकीकरण को लेकर गुरुवार को निगम परिसर में बैठक आयोजित की। बैठक में जोर दिया गया कि लोक परिवहन का उपयोग करने वाले यात्रियों को सिटी बस और मेट्रो सेवा में कनेक्टीविटी बनी रहे। इसके लिए राष्ट्रीय कॉमन मोबिलिटी कार्ड लागू करेंगे, ताकि एक ही कार्ड से सभी तरह की लोक परिवहन का उपयोग किया जा सके और खरीदारी भी की जा सकें।

इंदौर नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा ने बताया कि मेट्रो स्टेशनों के

500 मीटर के दायरे में पैदल चलने वालों के लिए बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित करने, उचित बस बे, पिक-अप व ड्रॉप-आफ पाइंट, साइकिल स्टैंड के लिए सभी स्टेशन पर पार्किंग के बनाई जाएगी। दूर-दराज के इलाकों से यात्रियों को जोड़ने के लिए फीडर बस नेटवर्क बढ़ाने की योजना है। इसके अलावा, इंदौर रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट और आईएसबीटी टर्मिनल को आपस में जोड़ने पर काम किया जाएगा।राष्ट्रीय कॉमन मोबिलिटी कार्ड की शुरुआत भी होगी, जिससे लोग परिवहन, पार्किंग और शापिंग जैसी सेवाओं में इसे इस्तेमाल कर सकेंगे। निगमायुक्त वर्मा ने बताया कि हम मल्टीमॉडल परिवहन को मजबूत करने के हर संभव तरीके तलाश रहे हैं, जिससे मेट्रो रेल को शहर की बस सेवा, आटो,ई-रिक्शा, टैक्सी और साइकिल कनेक्टिविटी से जोड़ा जा सके।

नहीं थम रहा महू में विवाद, कल रात फिर एक गोदाम में लगाई आग

इंदौर/महू। रविवार रात महू में हुई सांप्रदायिक हिंसा के बाद सोमवार रात को दोबारा एक निजी स्कूल और तीन चाट-चौपाटी के ठेलों में आगजनी की घटना को अंजाम दिया गया था। इसके बाद कल रात फिर असामाजिक तत्वों ने एक सुपारी सेंटर के गोदाम में आग लगा दी। घटना बीती रात 2.30 बजे के आसपास कोयला बाखल क्षेत्र की है। अंधेरे में मौके का फायदा उठाकर असामाजिक तत्वों ने उक्त घटना को अंजाम दिया। वहीं आगजनी की घटना के बाद कुछ देर में ही यहां फायर ब्रिगेड भी पहुंच गई थी, जिससे थोड़ी ही देर बाद आग पर काबू पा लिया गया। रहवासियों ने बताया कि आगजनी की घटना को सोच-समझकर अंजाम दिया गया है, क्योंकि घटनास्थल के आसपास सभी जगह कैमरे लगे हुए हैं, मगर जिस गोदाम में आग लगाई गई वहां कोई कैमरा नहीं था और असामाजिक तत्वों ने यहां दिन में रैकी कर सोच-समझकर देर रात आगजनी की घटना को अंजाम दिया। गौरतलब है कि रविवार रात भारत-न्यूजीलैंड चैंपियंस ट्रॉफी मैच में भारत की जीत के बाद जामा मस्जिद क्षेत्र में हुए विवाद के बाद महू में लगभग 6-7 जगह सांप्रदायिक हिंसा भड़क उठी थी। वहीं इसके बाद यह तीसरा दिन है, जब असामाजिक तत्वों ने इस तरह आगजनी की घटना को अंजाम दिया है। कोयला बाखल क्षेत्र जामा मस्जिद के नजदीक ही है, वहीं अल्पसंख्यक बाहुल्य क्षेत्र टाल मोहल्ला भी यहां से सटा हुआ है। घटनास्थल के आसपास रविवार रात से ही लगातार पुलिस बल भी तैनात है, मगर इसके बावजूद कल रात यहां आगजनी की घटना को अंजाम दे दिया गया।

स्वच्छता पर रील बनाकर जीत सकते हैं लाखों रुपये के ईनाम... MP सरकार की वेबसाइट पर करें अप्लाई

इंदौर। मध्य प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने स्वच्छ भारत मिशन के तहत ग्रामीणों को जागरूक करने का अनूठा तरीका निकाला है। विभाग ने रील बनाओं प्रतियोगिता शुरू की है। कचरा नहीं, यह कंचन है थीम पर आयोजित हो रही इस प्रतियोगिता में प्रतिभागी को स्वच्छता पर रील बनाना होगी और उसे वायरल भी करना होगा। दरअसल विभाग की मंशा है कि कचरे के सुरक्षित निपटान की प्रमुख तीन आदतों के प्रति ग्रामीण की भागीदारी बढ़े और वे जागरूक रहे। यह प्रतियोगिता 15 अप्रैल तक आयोजित होगी, इसके बाद मुख्यालय स्तर पर इनाम घोषित किए जाएंगे। पहला इनाम 2 लाख रुपये का होगा।

विभाग ने 25 फरवरी से यह प्रतियोगिता शुरू की है। जिसमें इंदौर जिले में अब तक 20 से अधिक रील तैयार हो चुकी है। इधर जिला पंचायत द्वारा स्कूल-कालेज, पंचायत आदि में जाकर विद्यार्थी और आमजन को इस प्रतियोगिता के बारे में बताया जा रहा है। इसके साथ ही सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की मदद भी ली जा रही है, ताकि रील बनाने में मदद मिल सकें। हर जिले से कम से कम 5 रील मुख्यालय भेजी जाएगी।

तीन विषय पर बनाना होगी रील

रील प्रतियोगिता ग्रामीण अंचल के लिए है। प्रतियोगिता के लिए तीन विषय गीला-सूखा कचरा अलग-अलग रखो, कचरे का दोबारा उपयोग करो (रिसाइकिल) और खुले में कचरा मत फैलाओ तय किए गए हैं। प्रतिभागी को इन्हीं में किसी एक विषय पर 30 से 45 सेकंड की एचडी क्वालिटी में रील बनाना है। यह ध्यान रखा जाए कि रील रोचक तरीके से बने, ताकि ज्यादा से ज्यादा वायरल हो सके।

ऐसे ले प्रतियोगिता में हिस्सा

किसी एक विषय पर रोचक रील बनाएं और उसे एक्स, इंस्टाग्राम, फेसबुक, यू ट्यूब पर वायरल करें। इसके बाद रील को mp.mygov.in पर अपलोड कर रजिस्ट्रेशन कराएं।

झाड़-फूंक की आड़ में ठगी करने का आरोपी गिरफ्तार

पैसे लेकर आंखें बंद कराई और हो गया फरार

इंदौर वेंकट नगर पुलिस ने झाड़-फूंक के बहाने ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया है।वेंकट नगर पुलिस के अनुसार, 9 मार्च को फरियादी रमेश यादव (39), निवासी खैरीटोला, वेंकट नगर ने शिकायत दर्ज कराई कि 2 मार्च को दोपहर 2 बजे कटनी निवासी स्ताक खान नामक व्यक्ति उसके घर आया। उसने खुद को झाड़-फूंक करने वाला बताया। फरियादी ने उसे अपनी पत्नी की बीमारी के बारे में बताया, जिस पर आरोपी ने तंत्र-मंत्र के जरिए इलाज करने और गहनों को धोकर ठीक करने का दावा किया। इस पर फरियादी ने अपनी पत्नी की चांदी की करधन उसे सौंप दी।इसी दौरान पड़ोसी रघुनंदन यादव ने अपने बेटे नागेश्वर यादव (3 वर्ष से लापता) को घर वापस बुलाने के लिए आरोपी से मदद मांगी, जिस पर आरोपी ने 3,000 रुपये लिए। वहीं, पड़ोसी माधव यादव ने अपनी दो वर्षीय पुत्री के चलने में असमर्थ होने की बात कही, जिससे आरोपी ने 2,600 रुपये ऐंठ लिए। इसके बाद आरोपी ने झाड़-फूंक का नाटक करते हुए सभी को 10 मिनट तक आंखें बंद रखने को कहा और मौका पाकर फरार हो गया।शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने कटनी जिले के ग्राम जुगीयाकाप थाना एनकेजे निवासी आरोपी स्ताक खान (34) को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी के पास से फरियादी की चांदी की करधन, 5,600 रुपये नकद, एक ओप्पो मोबाइल, और ठगी में प्रयुक्त दोपहिया वाहन जब्त किया गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश कर दिया है।

इंदौर के बेटमा में होली की ड्यूटी कर रहे टीआई संजय पाठक की हार्ट अटैक से मौत

मुख्यमंत्री और डीजीपी ने किया शोक प्रकट

इंदौर के बेटमा में होली के दिन टीआई संजय पाठक का हार्ट अटैक से निधन हो गया। वे होली की ड्यूटी कर रहे थे। इसी दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई। उन्हें अस्पताल ले जाया गया लेकिन उन्हें बचाया ना जा सका। वे इंदौर रेंज आईजी कार्यालय में पदस्थ थे। होली के दिन वे इंदौर ग्रामीण जोन में ड्यूटी कर रहे थे। मुख्यमंत्री मोहन यादव और डीजीपी कैलाश मकवाना ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करके यह जानकारी दी और अपनी ओर से श्रद्धांजलि भी प्रकट की।

मुख्यमंत्री ने पोस्ट करके दी श्रद्धांजलि

सीएम ने लिखा कि, इंदौर ग्रामीण क्षेत्र अंतर्गत बेटमा में ड्यूटी पर तैनात कर्तव्यनिष्ठ म.प्र पुलिस निरीक्षक श्री संजय पाठक की हृदयाघात से असामयिक मृत्यु का अत्यंत ही दुखद समाचार मिला है। मेरी गहरी शोक संवेदनाएं सभी शोकाकुल परिजनों के साथ हैं।

कर्तव्य निर्वहन करते हुए जनसेवा के प्रति आपका समर्पण सदैव याद किया जाएगा। शोक की इस घड़ी में पूरा प्रदेश शोकाकुल परिजनों के साथ है।

परमपिता परमेश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत की पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान प्रदान करें, शोकाकुल परिजनों को यह अथाह दु:ख सहन करने की शक्ति दें। विनम्र श्रद्धांजलि! शांति!

डीजीपी ने यह लिखा

अपनी पोस्ट में डीजीपी ने लिखा कि, इंदौर ग्रामीण जोन में आज होली त्यौहार ड्यूटी के दौरान बेटमा में निरीक्षक श्री संजय पाठक को हार्ट अटैक आया था, दुर्भाग्य से उनका देहावसान हो गया...विनम्र श्रद्धांजलि, शांति..।भोपाल के रहने वाले संजय पाठक 1988 बैच के अधिकारी थे।

भोपाल के रहने वाले थे पाठक

इंदौर के कई थानों में वो पदस्थ रह चुके थे।

उनके पिता भोपाल के भेल में रहे हैं।

इंदौर में वे साउथ तुकोगंज में रहते थे।

परिवार में उनकी 2 बेटियां हैं।

बड़ी बेटी सुरभि पाठक है जो कि नेशनल शूटर हैं।

उनकी पत्नी हाउस वाइफ हैं।

वे जूडो कराटे में भी ब्लैक बेल्ट थे।

टमाटर के दाम हुए औंधे मुंह गिरे! किसानों को बड़ा नुकसान

इंदौर की देवी अहिल्याबाई फल एवं सब्जी मंडी में इन दिनों टमाटर की भारी आवक हो रही है। रोजाना लगभग 6 से 7 हजार कैरेट टमाटर मंडी में पहुंच रहा है, जिससे टमाटर के दामों में तेजी से गिरावट आई है। वर्तमान में टमाटर की कीमत गुणवत्ता के आधार पर केवल 3 से 5 रुपए प्रति किलो तक रह गई है, जबकि प्रति कैरेट दर 50 से 80 रुपए तक पहुंच गई है। मंडी व्यापारियों के अनुसार, टमाटर के दामों में गिरावट का मुख्य कारण इसकी अधिक आवक के साथ-साथ केचअप फैक्टरियों द्वारा बड़े पैमाने पर की जा रही खरीदी भी है। इसके अलावा, अप्रैल-मई में महाराष्ट्र से नई फसल आने के बाद भी कीमतों में सुधार की संभावना कम बताई जा रही है।

किसान को लागत भी नहीं निकल रही खरगोन के किसान अशोक वर्मा, भूपेंद्र वर्मा और जीतू बागड़ी का कहना है कि मौजूदा दरों पर उन्हें भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। एक कैरेट टमाटर की लागत 80 से 90 रुपए तक आती है, जिसमें तुड़ाई, गाड़ी भाड़ा, मजदूरी, बीज, खाद और दवाई का खर्च शामिल है। अभी प्रति कैरेट दर 50 से 80 रुपए तक पहुंच गई है। किसानों के पास टमाटर को खेतों में खराब होने से बचाने के लिए मंडी में बेचने के अलावा कोई विकल्प नहीं बचा है। सर्दियों में हरी सब्जियों की अधिक उपलब्धता के कारण टमाटर की मांग कम हो जाती है, जिससे इसके दाम गिर जाते हैं। गर्मियों में जब आवक घटकर 2 से 3 हजार कैरेट रह जाती है, तब टमाटर के दाम धीरे-धीरे बढ़ने लगते हैं। यही टमाटर बारिश और सर्दियों के मौसम में 1000 से 1200 रुपए प्रति कैरेट तक बिकता है।

टमाटर उगाने वाले किसान परेशान टमाटर की फसल दो प्रकार से लगाई जाती है। पहली विधि में इसे जमीन पर सीधे बोया जाता है और दूसरी विधि में इसे तार और बांस-बल्लियों के सहारे बेल के रूप में चढ़ाया जाता है। जमीन पर लगाई गई टमाटर की फसल में लागत कम आती है, लेकिन यह टमाटर जल्दी खराब हो जाता है। इसके अलावा, स्टोरेज में भी इसे रखना मुश्किल होता है, जिससे इसकी मांग फिलहाल कम है। दूसरी ओर, तार-बांस-बल्लियों पर चढ़ाई गई बेल वाली टमाटर की फसल ज्यादा समय तक टिकती है, जिससे इसकी मांग अधिक बनी रहती है।

मई से अक्टूबर तक टमाटर के दाम थे आसमान पर व्यापारी विनोद भिलवारे और फारूक राइन ने बताया कि मई से अक्टूबर के बीच टमाटर की कीमतें 1500 से 2000 रुपए प्रति कैरेट तक पहुंच गई थीं। इसके बाद नवंबर-दिसंबर में ठंड शुरू होते ही भारी मात्रा में टमाटर की आवक होने लगी, जिससे दाम घटकर 500 से 700 रुपए प्रति कैरेट तक रह गए। अब मार्च में टमाटर के दामों में भारी गिरावट आई है और भाव औंधे मुंह गिरते हुए 50 से 80 रुपए प्रति कैरेट तक आ पहुंचे हैं। एक कैरेट में लगभग 25 किलो टमाटर होता है। इस तरह प्रति किलो टमाटर का दाम केवल 3 से 5 रुपए तक रह गया है। मौजूदा समय में रोजाना 6 से 7 हजार कैरेट टमाटर मंडी में पहुंच रहा है।

तीन तरह के लोकल टमाटर की आवक व्यापारी फारूक राइन ने बताया कि इंदौर के आसपास के क्षेत्रों जैसे महेश्वर, मंडलेश्वर, खरगोन, राजगढ़-धार, सेंधवा के पास नागलवाड़ी, बलवाड़ी गांवों से बड़ी मात्रा में देसी, हाईब्रिड और हिम सोना किस्म के टमाटर की भारी आवक हो रही है। इस ठंडे मौसम में टोमेटो केचअप बनाने के लिए फैक्ट्री मालिक बड़ी मात्रा में खरीदी कर रहे हैं

सोने-चांदी की कीमतों ने फिर पकड़ी रफ्तार

भोपाल। दुनियाभर के अधिकतर देश बीते कुछ सालों में अपने सोने के खजाने पर खास ध्यान दे रहे हैं. भारत (India) भी पिछले साल ही इंग्लैंड (England) में रखा अपना सोना वापस देश लाया था. अब जब देश में मार्केट लाल (Country Market red) है तो इसका सीधा असर सोने-चांदी के रेट (Gold Silver Rate) पर भी दिख रहा है. एमपी की राजधानी भोपाल में आज गुरुवार (13 मार्च) को भारतीय बुलियन (www.bullions.co.in) के मुताबिक, बाजार शुरू होने तक सोने और चांदी के भाव कुछ इस प्रकार हैं-

ङ्क भोपाल में 22 कैरेट सोने का रेट

आज- 79,668 रुपए/10 ग्राम

बीते दिन- 79,255 रुपए

ङ्क भोपाल में 24 कैरेट सोने के दाम

आज- 86,910 Rs/10Rs

बीते दिन- 86,460 रुपए प्रति 10 ग्राम

– भोपाल में चांदी का भाव

आज- 99,420 रुपए/1 किलो

बीते दिन- 98,590 रुपए प्रति किलो

ये तो शुरुआत अभी बॉटम छुयेगा बाजार अब बात करें तो देशभर का बाजार भयंकर बुरे दौर से गुजर रहा है, जहां विदेश निवेशक देश से पैसा खींच रहे है. वहीं सेंसेक्स से लेकर निफ्टी 50 तक गिर रहे हैं. वहीं पिछले दो हफ्ते में सोने के भाव लगभग 3600 रुपए तक बढ़े है. आज येलो मेटल कहे जाने वाले सोने का शुरुआती कारोबार गिरावट के साथ शुरू हुआ, जहां देश में आज गोल्ड-सिल्वर रेट कुछ इस प्रकार से हैं-

– भारत में 24 कैरेट गोल्ड रेट

आज- 86,980 रुपए प्रति 10 ग्राम

बीते दिन- 86,410 Rs/10Rs

– भारत में चांदी का भाव

आज- 99,490 रुपए प्रति 1 किलो

बीते दिन- 98,240 रुपए/किलो

विदेशी निवेशक चीन का कर रहे हैं रुख देश में पिछले 5 महीने में शेयर बाजार रिकॉर्ड गिरावट से गुजर रहा है और ये सब विदेशी निवेशकों के बाजार से पैसा खींचने के बाद हुआ है. जहां बाजार से बड़ी संख्या में फॉरेन इंवेस्टर भारत छोड़ रहे हैं. इस बीच सोने के भाव में लगातार उतार-चढ़ाव जारी है और सेंसेक्स से लेकर निफ्टी तक रेड जोन में है. इसके अलावा इंटरनेशनल गोल्ड मार्केट में भी रिकॉर्ड बढ़ोतरी जारी है. अब अगर आप भी गोल्ड खरीदी की सोच रहे हैं तो फटाफट खरीद ले, क्योंकि आने वाले दिनों में सोना और भी रिकॉर्ड महंगाई छु सकता है. बाजार के ट्रेंड की माने तो इस साल के अंत तक सोना 95 हजार पार कर सकता है.

हालमार्क ही है असली सोने की पहचान देखिए अगर आप सोने के गहने खरीदने जा रहे हैं तो कभी भी क्वालिटी से समझौता न करें. हॉलमार्क देखकर ही गहने खरीदें, क्योंकि यही सोने की सरकारी गारंटी है. भारत में ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स हॉलमार्क का निर्धारण करता है. हर कैरेट के हॉलमार्क अंक अलग होते हैं, जिसे ध्यान से रखकर ही सोना खरीदें. अगर आप ऐसा नही करते हैं तो आपके सोने में मिलावट भी हो सकती है तो हमेशा जांच परख कर ही खरीदी करें.

कैंसर मरीजों से एआई पूछेगा-क्या आपको दर्द हो रहा है, खाने में समस्या तो नहीं!

भोपाल एम्स में इंदौर आईआईटी की पहल

भोपाल। एम्स भोपाल को कैंसर मरीजों की जीवन गुणवत्ता सुधारने के लिए एक बड़ी उपलब्धि मिली है। भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) ने डिजिटल आन्कोलाजी (कैंसर देखभाल) के लिए एम्स भोपाल को 20 लाख रुपये का अनुसंधान अनुदान प्रदान किया है। यह शोध आईआईटी इंदौर के नवाचार केंद्र के सहयोग से किया जाएगा।

ऐसे होगा मरीजों की जिंदगी पर असर इस परियोजना के तहत आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से कैंसर मरीजों के इलाज के बाद उनकी जीवन गुणवत्ता (क्वालिटी आफ लाइफ) पर शोध किया जाएगा।

इसके लिए एक डिजिटल प्लेटफार्म विकसित किया जाएगा, जो मरीजों से उनके स्वास्थ्य और समस्याओं के बारे में सवाल पूछेगा, जैसे - क्या आपको दर्द हो रहा है खाने-पीने में दिक्कत तो नहीं आपको सबसे ज्यादा तकलीफ किस चीज से हो रही है मरीजों से मिले इन जवाबों का विश्लेषण करके डॉक्टर उनके लिए बेहतर उपचार योजना बना सकेंगे।

भोपाल से प्रयागराज, जयपुर,गोवा उड़ान बंद होगी, हैदराबाद तक अतिरिक्त उड़ान

भोपाल। अप्रैल माह से लागू हो रहे समर शेड्यूल से पहले ही भोपाल से प्रयागराज, जयपुर एवं गोवा उड़ान अस्थाई रूप से बंद हो रही है। भोपाल से रायपुर एवं हैदराबाद तक अतिरिक्त उड़ानें शुरू होंगी। कुछ उड़ानों के समय में मामूली परिवर्तन होगा।

होली पर 40 के करीब पहुंचा पारा,मार्च में 4 दिन लू का अलर्ट, ज्यादा तपेंगे इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर

मध्य प्रदेश के तापमान में लगातार बढ़ोतरी हो रही है मार्च महीने में ही 40 के करीब तापमान दर्ज किया जा रहा है। होली के दिन प्रदेश के नर्मदापुरम का अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग का अनुमान है कि मार्च के आखिरी 15 दिनों में अप्रैल जैसी गर्मी पड़ेगी। ज्यादातर शहरों में पारा 40 डिग्री के पार पहुंच सकता है। 4 दिन तक लू चलने का भी अलर्ट है। वहीं, अप्रैल-मई में 20 दिन हीट वेव चलेगी। मौसम विभाग के मुताबिक इस बार इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर-चंबल सबसे ज्यादा तपेगा।

तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना मौसम विभाग भोपाल के सीनियर वैज्ञानिक वेदप्रकाश सिंह का कहना है कि मार्च में बारिश के सामान्य से कम होने के संकेत मिल रहे हैं। वहीं, तापमान के सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। प्रदेश में मार्च से ही हीट वेव यानी लू भी चलेगी। 15 मार्च के बाद जब शहरों में पारा 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक पहुंचेगा, तब गर्म हवा का असर देखने को मिलेगा। हालांकि, इससे पहले ही खजुराहो, नर्मदापुरम, रतलाम, मंडला समेत कई शहरों में पारा 39 डिग्री के पार पहुंच गया।

जानें कब होता है हीट वेव का असर मौसम विभाग के अनुसार सामान्यतः दिन का तापमान 40 डिग्री से अधिक या सामान्य से 4.6 डिग्री तक हो तो हीट वेव यानी लू की स्थिति मानी जाती है। चूंकि, प्रदेश में अभी पारा 39 डिग्री तक आ चुका है। कई शहरों में तापमान में सामान्य से 3 से 4 डिग्री की बढ़ोतरी हुई है। ऐसे में अगले सप्ताह में प्रदेश में लू चलने लगेगी। मार्च से गर्मी के सीजन की शुरुआत हो जाती है। अगले 4 महीने तेज गर्मी पड़ेगी। मौसम विभाग ने मार्च से मई तक 15 से 20 दिन तक हीट वेव चलने का अनुमान जताया है। अप्रैल-मई में हीट वेव का असर ज्यादा हो सकता है। इस कारण 30 से 35 दिन तक गर्म हवा चल सकती है।

ऐसा रहेगा मार्च का दूसरा पखवाड़ा

15 मार्च के बाद न्यूनतम तापमान इंदौर संभाग में सामान्य से 3-4 डिग्री बढ़कर 20-23 डिग्री तक रह सकता है। जबकि शेष सभी संभागों में 19-21 डिग्री तक जाएगा। वहीं, पूरे प्रदेश में दिन में अधिकतम तापमान तेजी से बढ़ते हुए सामान्य से 2-4 डिग्री अधिक 36 से 40 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच सकता है।

माता-पिता ने छोड़ा नाबालिग का साथ तो दरिंदा बना सगा भाई, दुष्कर्म के लिए अब 20 साल की काटेगा सजा

भोपाल के निशातपुरा थाना क्षेत्र में रहने वाली तीन नाबालिग बहनों को पहले पिता, फिर मां ने साथ छोड़ दिया। माता-पिता के साथ छोड़ने के कारण बहनों को बच्चों के एक आश्रय स्थल में रखा गया, जहां विवाद के बाद उन्हें भाई को सुपुर्द कर दिया गया। इसके बाद तो भाई दरिंदा बन गया और जब मौका मिलता, अकेला पाता वह छोटी बहन के साथ हैवानियत करने लगा। आरोपी ने रिश्तों को कलंकित करते हुए कई बार नाबालिग बहन की आबरू लूटी। पीड़िता की दादी को घटना पता चली तो उसने पुलिस ने प्रकरण दर्ज कराया। अब भोपाल जिला अदालत ने दरिंदे भाई को नाबालिग बहन से दुष्कर्म के मामले में 20 साल की सजा सुनाई है। जानकारी के अनुसार 15 वर्षीय किशोरी माता-पिता के साथ निशातपुरा थाना क्षेत्र में रहती थी। घर में उसके अलावा बड़ा भाई और दो छोटी बहनें थीं। वर्ष 2023 में माता-पिता में विवाद हुआ और पिता उसकी मां को छोड़कर चला गया। कुछ दिन मां ने पिता का इंतजार किया, इसके बाद मां ने तीनों बहनों को अनाथ आश्रम नित्य सेवा सोसायटी को सौंपकर वह भी चली गई। पीड़िता अपनी दो छोटी बहनों के साथ सोसायटी में रहने लगी। चूंकि वह अनाथ आश्रम में नई-नई थी, इसलिए कुछ दिनों बाद ही उसका विवाद वार्डन से हो गया। इसके बाद वार्डन ने उसके परिजनों से संपर्क किया। कुछ दिन बाद उसका बड़ा भाई मिलने पहुंचा तो सोसायटी ने उसके द्वारा विवाद करने का हवाला देकर उसे भाई के साथ भेज दिया।

भाई ने दादी के घर रखकर किया दुष्कर्म चूंकि माता-पिता दोनों के जाने के बाद बड़ा भाई अकेले रह रहा था, इसलिए वह बहन को निशातपुरा थाना क्षेत्र में ही रहने वाली दादी के यहां छोड़ दिया। इसके बाद पीड़िता दादी के साथ रहने लगी। 8 जून 2023 को किशोरी का भाई उससे मिलने आया तो दादी घर पर नहीं थी। इसके बाद युवक ने सगी बहन के साथ दुष्कर्म किया और धमकी देकर किसी को नहीं बताने को बोलकर चला गया। इसके बाद तो भाई की लत लग गई और आए दिन आता और जब दादी घर के अंदर नहीं होती तो वह छोटी बहन के साथ दरिंदगी करता और चला जाता।

व्यवहार बदला तो दादी को पता चला आए दिन दरिंदगी का शिकार होने के कारण पीड़ित किशोरी का व्यवहार बदलने लगा। वह सहमी-सहमी रहने लगी। बात-बात पर झल्लाने लगी। इसके बाद दादी को पता चला कि बच्ची के साथ दरिंदगी हो रही है। इसके बाद दादी ने निशातपुरा थाने जाकर पीड़िता के भाई के खिलाफ दुष्कर्म का प्रकरण दर्ज कराया। भोपाल जिला अदालत ने पीड़िता के बयान, साक्ष्यों व पुलिस की विवेचना के आधार पर दरिंदे सगे भाई को 20 वर्ष कारावास और एक हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई है। शासन की ओर से लोक अभियोजन अधिकारी दिव्या शुक्ला और ज्योति कुजूर ने पैरवी की थी।

इंग्लैड के नंबर से आया कॉल और सेना के मेजर से हो गई 14 लाख से अधिक की ठगी, लालच में फंसे

भोपाल। राजधानी भोपाल के बैरागढ़ स्थित श्री ईएमई सेंटर में पदस्थ सेना के एक मेजर को इंग्लैड के मोबाइल नंबर से वॉट्सएप पर कॉल आई और साइबर जालसाजों ने शेयर मार्केट में निवेश का झांसा देकर 14 लाख से अधिक की ठगी कर ली। ठगी का एहसास होने के बाद फरियादी मेजर ने पुलिस में शिकायत की। जांच के बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि जालसाजों ने तकनीक का उपयोग कर आईपी एड्रेस छिपाने के लिए कॉल किया था। भोपाल साइबर सेल के अनुसार 35 वर्षीय आशीष चौधरी पिता कुलदीप राज श्री ईएमई सेंटर बैरागढ़ मं मेजर हैं। वे मूलतः पंजाब प्रांत के पठानकोट के रहने वाले हैं। अप्रैल 2024 में उनको एक वॉट्सएप कॉल इंग्लैंड के नंबर से आई। इसके बाद वॉट्सएप पर एक ग्रुप में जुड़ने की लिंक आई। लिंक के जरिए जब से वॉट्सएप ग्रुप में जुड़ गए तो उन्हें शेयर मार्केट में निवेश करने पर भारी मुनाफे के मैसेज आने शुरू हो गए। इसके बाद वे ग्रुप में आए मैसेज के आधार पर एक एप डाउपलोड कर लिया और उसके जरिए 24 लाख रुपए शेयर मार्केट में निवेश के नाम पर ट्रांसफर कर दिए। जालसाजों ने भरोसा जीतने के लिए 10 लाख रुपए वापस कर दिए। इसके बाद मेजर आशीष का जालसाजों पर भरोसा हो गया और उन्हें लगा कि मैं सही शेयर मार्केट में पैसे लगा रहा हूं।

आईपीओ के नाम पर और पैसे मांग रहे थे जालसाज 14 लाख रुपए फरियादी के आईपीओ आवंटन में लगाने का जालसाजों ने झांसा दिया। जब आईपीओ नहीं मिला तो मेजर अपना पैसा वापस निकालने का प्रयास करने लगे, जिसमें वे सफल नहीं हो सके। इसके बाद वे जिस एप के जरिए उन्होंने निवेश किया था, उसके कथित संचालकों से संपर्क किया तो उन्हें बताया गया कि आपको 60 लाख रुपए का आईपीओ शेयर आवंटित किया गया है। आप और पैसा दीजिए आपको करोड़ों का फायदा होगा। इसके बाद उन्हें ठगी का एहसास हुआ और उन्होंने साइबर सेल में शिकायत कर दी।

पुलिस ने कहा- ज्यादा मुनाफे के लालच में जमा पूंजी न गंवाएं पुलिस उप-आयुक्त क्राइम ब्रांच व साइबर सेल अखिल पटेल ने कहा कि साइबर जालसाज मोटे मुनाफे का लालच देकर ठगी का शिकार बनाते हैं। फर्जी एप के जरिए अच्छा रिटर्न का ऑफर देकर साइबर जालसाज ठगी करते हैं। इसके साथ ही शेयर ट्रेडिंग की रजिस्टर्ड संस्थाओं की मिलती-जुलती वेबसाइटें बनाकर भी साइबर जालसाज ठगी करते हैं। ऐसे निवेश ऑफरों से लोगों को सावधान रहना चाहिए, जिसमें कम समय में मोटा मुनाफा कमाने का लालच दिया जा रहा हो। लोगों को निवेश कराने वाली संबंधित कंपनी, फर्म और एप के बारे में पुख्ता जानकारी लेने के बाद ही पैसे इन्वेस्ट करना चाहिए। साइबर क्राइम और स्टेट साइबर क्राइम समय-समय पर लोगों को जागरूक करने के लिए एडवाइजरी जारी करती रहती है। जो भी ठगी की शिकायतें आती हैं, जल्दी प्रकरण दर्ज कर मामले की जांच की जाती है।

आर्थिक तंगी में पिता मोबाइल नहीं सुधरवा पाया तो बेटे ने लगा ली फांसी, चार दिन से खराब था फोन

भोपान । ऐशबाग थाना क्षेत्र में रहने वाला एक युवक ने सिर्फ इसलिए फांसी लगाकन जान दे दी, क्योंकि उनके पिता ने आर्थिक तंगी का हवाला देकर कुछ दिन बाद मोबाइल सुधरवाने या नया दिलाने को कहा था। ऑटो चालक पिता अब बेटे की मौत के बाद से बदहवास हालत में है। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

ऐशबाग थाना पुलिस के अनुसार साद खान पुत्र सईद खान (18) बाग फरहत अफजा की ओकाफ कॉलोनी में रहता था। वह कक्षा 12वीं पास हो चुका है, लेकिन इस वर्ष कॉलेज में प्रवेश नहीं लिया। बीते चार-पांच दिन पहले उसका मोबाइल चार्ज नहीं हो रहा था। दुकान में दिखाने ले गया तो मैकेनिक ने चार्जिंग प्वाइंट के साथ कुछ और गड़बड़ी बताकर लंबा खर्च बता दिया। इसके बाद वह पिता से कहा कि पैसे दो दो मोबाइल सुधरवाना है। नहीं तो नया मोबाइल दिलवा दो। पिता ने कहा कि इस पुराने मोबाइल में बनवाने में भी ज्यादा पैसे खर्च हो रहे हैं, अभी ईद का त्यौहार आने वाला है। ऐसे में आर्थिक स्थिति इतनी अच्छी नहीं है कि मैं तुम्हारा मोबाइल सुधरवा सकूं। कुछ दिन रुको, स्थिति ठीक होते ही नया मोबाइल भी दिलवा सकता हूं। लेकिन साद जल्दी मोबाइल ठीक कराने की जिद पर अड़ा हुआ था।

नया मोबाइल नहीं दिलाने से था नाराज पुलिस सूत्रों की मानें तो परिजनों ने बताया कि पिता सईद ने नया मोबाइल दिलाने से इंकार कर दिया था और पुराना मोबाइल सुधरवाने के लिए समय मांगा था। लेकिन साद नया मोबाइल ही मांग रहा था। गुरुवार को वह सुबह परिजनों के साथ जगा और सेहरी करने के बाद छत पर जाकर पतंग उड़ाई। इसके बाद अपने कमरे में चला गया। कुछ देर बाद परिजनों ने देखा तो वह किचन में फंदे पर लटका हुआ था। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस मोबाइल मामले के साथ अन्य सथी बिंदुओं पर भी जांच कर रही है। इधर जवान बेटे की मौत के बाद से पिता सदमे में हैं। वे बदहवास हालत में हैं, ठीक से लोगों से बात भी नहीं कर पा रहे हैं।

संपादकीय

वर्जनाओं के पार जाने का रोमांच और फिर लौट आने का दम

फागुन की तो हवा ही सारी वर्जनाएं खत्म करने का संदेश लिए हुए आती है। होली की मस्ती बोल-चाल से लेकर रिश्ते-नातों तक हर क्षेत्र में मर्यादा की सीमाओं पर कुछ समय के लिए धुंध की चादर डाल देती है। लेकिन इससे मर्यादाएं खत्म नहीं होतीं। साल के बाकी दिनों के लिए वे और भी चमकीली, और भी स्निग्ध हो जाती हैं। गालियों पर साल भर भले हम नाक-भौं सिकोड़ते रहें, होली के मौके पर सबको ये प्यारी ही लगती हैं। जो शब्द साल के बाकी दिनों में किसी को लंपट, नालायक और छिछोरा बना सकते हैं, होली के माहौल में वे स्वस्थ मनोरंजन का जरिया बने दिखते हैं। यह इसी त्योहार की खासियत है कि बड़ा-छोटा, अमीर-गरीब की तमाम दीवारें कुछ देर के लिए ढह जाती हैं। कपड़ों और चेहरों पर तरह-तरह के रंग पोते सड़कों पर निकले लोगों में कौन किस दफ्तर में किस कुर्सी पर बैठा करता है, न तो इसका हिसाब लगाना संभव होता है, न ही कोई इसकी चिंता करता है। मगर, इन सारी हरकतों का मकसद समूह में रहते हुए अधिक से अधिक आजादी और आनंद का अनुभव करना ही होता है।

हमें अच्छा मनुष्य और हमारे समाज को अच्छा समाज बनाए रखने के लिए जो वर्जनाएं जरूरी मानी गई हैं, उनके पार जाने का रोमांच महसूस कर लेने के बाद उन सीमाओं के इस तरफ वापस लौट आने का दम भी हमारे भीतर होना चाहिए। यह तभी होगा जब वर्जनाएं पार करते हुए भी हम एक-दूसरे के प्रति स्नेह और सम्मान का भाव बनाए रखें, लेकिन दुर्भाग्यवश इसी मोर्चे पर हमसे लगातार चूक हो रही है।

जिस पर्व में फाल्गुन पूर्णिमा की पवित्रता, आम के बौरों की सुगंध, होलिका की पृष्ठभूमि और मदनोत्सव की परंपरा हो, उसकी विशिष्टता की कल्पना भर ही की जा सकती है। आपसी प्रेम और सामाजिक सद्भाव के इस मौके पर लोगों में जो उत्साह देखने को मिलता है, वह सहज और स्वाभाविक है। कहा जा सकता है कि हमारी संस्कृति में अगर होली जैसे पर्व न होते तो आज के आत्मकेंद्रित और मशीनी दौर में मौज मस्ती व हंसी-ठिठोली के मौके तलाशने तक दूभर हो जाते। होली का यह पर्व ऐसे समय आता है, जब नई फसलें कटकर घर आती हैं और किसानों का मन खिला-खिला रहता है। प्रकृति भी विभिन्न रंगों के फूलों के परिधान में निखरी-निखरी नजर आती है। फाल्गुनी हवा हर किसी के नवजीवन में प्राण भरती है।

जिस हरी घास पर क्षण भर बैठने की बात अज्ञेय ने कही थी, ग्लोबल वार्मिंग के चलते वह बेशक उतनी हरी न रह गई हो, लेकिन दो ऋतुओं की संधि बेला में प्रकृति में हो रहे यह बदलाव बरबस ही आकर्षित करते हैं। इस त्योहार की सबसे बड़ी खासियत है कि यह ऊंच-नीच, छोटे-बड़े, जाति भेद की दीवारों को तोड़कर हमारी बहुलतावादी सांस्कृतिक विविधता का प्रतिनिधित्व करता है। जीवंतता का यह उत्सव जड़ता को तोड़कर नवीनता का संदेश देता है। इसके अलावा यह खतरे उठाकर की जाने वाली अभिव्यक्ति का त्योहार भी है। ऐसा इसलिए क्योंकि होली के अवसर पर ऐसे आचरण और अभिव्यक्ति की भी छूट है, जो हमारे नियंत्रित और अनुशासित जीवन में संभव नहीं है। होली के बाद मन निर्मल होकर उत्साहपूर्वक अपने काम में लग जाता है। लेकिन तमाम अच्छाइयों के बीच बुरा पक्ष यह है कि होली की मस्ती के नाम पर उच्छृंखलता भी यदा-कदा चरम पर पहुंच जाती है। कई बार इसके नतीजे आपसी सद्भाव बिगड़ने के खतरे तक पहुंच जाते हैं। इसे रोकने की जरूरत है।

चिंता इस बात की भी है कि आज सोशल मीडिया के युग में सामाजिकता आपसी मेलजोल के नाम पर किसी पोस्ट को लाइक और शेयर करने तक सीमित रह गई है। होली, नवजीवन का संदेश लेकर आए ताकि बहुलतावादी नए विकसित भारत के निर्माण में हम योगदान दे सकें। हर बार की तरह सबके जीवन में खुशियों के रंग भरकर तमाम वर्जनाओं को तोड़ने वाले इस त्योहार की गरिमा इसी में है कि हम इसकी मर्यादा बनाए रखें और पर्व का मौलिक आनंद लें।

होली मनाने के तरीके अलग-अलग हो सकते हैं, लेकिन उसका एक ही संदेश है- प्रेम, बंधुत्व के साथ प्रकृति की महत्ता। होली शीत ऋतु की विदाई और ग्रीष्म के आगमन का सांकेतिक पर्व है। बसंत के बाद इस समय पतझड़ के कारण साख से पत्ते टूटकर दूर हो रहे होते हैं। ऐसे में परस्पर एकता, लगाव और मैत्री को एक सूत्र में बांधने का संदेशवाहक यह पर्व पूरे परिवेश को एक अलग उमंग से भर देता है। फागुन की निराली बासंती हवाओं में संस्कृति के परंपरागत परिधानों में आंतरिक प्रेमानुभूति सुसज्जित होकर चहुंओर मस्ती का आलम बिखेरती है, जिससे दुःख-दर्द भूलकर लोग रंगों में डूब जाते हैं।

खुशहाल होली और हरित होली

होली रंगों और खुशियों का त्योहार है, जहां लोग प्रेम और उत्साह के साथ एक-दूसरे को रंग लगाते हैं। यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है और होलिका दहन की परंपरा प्रह्लाद की भक्ति और हिरण्यकश्यप के अहंकार के अंत की कथा से जुड़ी हुई है। यह त्योहार समाज में भाईचारे और एकता को बढ़ावा देता है, जहां जाति, धर्म और वर्ग भेद मिटाकर सभी लोग मिलकर इसे मनाते हैं। किंतु बदलते समय के साथ होली मनाने का तरीका भी बदल गया है। पहले जहां यह पर्व प्राकृतिक रंगों और सामाजिक समरसता के साथ मनाया जाता था, वहीं आज इसमें रासायनिक रंग, पानी की बर्बादी, प्लास्टिक कचरा और हुड़दंग जैसी समस्याएं भी शामिल हो गई हैं।

होली रंगों और खुशियों का त्योहार है, जहां लोग प्रेम और उत्साह के साथ एक-दूसरे को रंग लगाते हैं। यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है और होलिका दहन की परंपरा प्रह्लाद की भक्ति और हिरण्यकश्यप के अहंकार के अंत की कथा से जुड़ी हुई है। यह त्योहार समाज में भाईचारे और एकता को बढ़ावा देता है, जहां जाति, धर्म और वर्ग भेद मिटाकर सभी लोग मिलकर इसे मनाते हैं। किंतु बदलते समय के साथ होली मनाने का तरीका भी बदल गया है। पहले जहां यह पर्व प्राकृतिक रंगों और सामाजिक समरसता के साथ मनाया जाता था, वहीं आज इसमें रासायनिक रंग, पानी की बर्बादी, प्लास्टिक कचरा और हुड़दंग जैसी समस्याएं भी शामिल हो गई हैं। वर्तमान में मनाई जा रही होली का पर्यावरण पर गहरा प्रभाव पड़ता है, जिससे प्राकृतिक संसाधनों की हानि होती है और कई स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं भी उत्पन्न होती हैं। ऐसे में आवश्यक है कि हम अपनी परंपराओं का सम्मान करते हुए, पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी भी निभाएं और होली को स्वच्छ, सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल बनाएं।

होली के दौरान पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले कई कारक देखे जाते हैं, जिनमें मुख्य रूप से रासायनिक रंगों का प्रयोग, पानी की अत्यधिक बबार्दी और होलिका दहन से उत्पन्न वायु प्रदूषण शामिल हैं। पहले होली में प्राकृतिक रंगों का उपयोग किया जाता था, जो फूलों, चंदन, हल्दी और अन्य हर्बल चीजों से बनाए जाते थे। लेकिन आज बाजार में मिलने वाले अधिकतर रंग सिंथेटिक होते हैं, जिनमें लेड, पारा, क्रोमियम और अन्य भारी धातुएं होती हैं।

ये रंग न केवल त्वचा और आंखों के लिए हानिकारक होते हैं, बल्कि जल स्रोतों को भी प्रदूषित करते हैं। होली के बाद जब ये रंग पानी में बहाए जाते हैं, तो ये नदियों, तालाबों और झीलों में घुलकर जलीय जीवों के लिए खतरा पैदा करते हैं। होलिका दहन भी पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। परंपरागत रूप से यह बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक है, लेकिन वर्तमान में इसे गलत तरीके से अपनाया जाने लगा है।

बड़ी संख्या में लकड़ी जलाने से न केवल वनों की कटाई को बढ़ावा मिलता है, बल्कि इससे उत्पन्न धुआं वायु प्रदूषण को भी बढ़ाता है। कुछ स्थानों पर लोग प्लास्टिक, कचरा और अन्य हानिकारक पदार्थ जलाते हैं, जिससे कार्बन मोनोऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड और अन्य जहरीली गैसें निकलती हैं। इससे न केवल पर्यावरण दूषित होता है, बल्कि सांस की बीमारियां भी बढ़ती हैं।

इसके अलावा, होली खेलने में पानी की अत्यधिक खपत होती है। विशेष रूप से शहरी क्षेत्रों में पानी के गुब्बारों और रंगों से भीगे कपड़ों को धोने के कारण हजारों लीटर पानी बर्बाद होता है। कई शहर और गांव पहले से ही जल संकट का सामना कर रहे हैं, ऐसे में होली के दौरान पानी का असावधानीपूर्वक उपयोग पर्यावरण पर नकारात्मक प्रभाव डालता है। हमें यह समझना होगा कि पानी एक अनमोल संसाधन है और इसकी बबार्दी को रोकना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।

होली को खुशी और मेल-जोल का पर्व माना जाता है, लेकिन कई बार यह अनुशासनहीनता और हुड़दंग का रूप भी ले लेता है। कई जगहों पर होली के नाम पर शराबखोरी, अभद्रता और जबरदस्ती रंग लगाने जैसी घटनाएं देखने को मिलती हैं।

विशेष रूप से महिलाओं के लिए यह त्योहार असहज हो सकता है, क्योंकि कई बार लोग जबरन रंग लगाने और छेड़छाड़ जैसी घटनाओं को ‘होली का मजाक’ कहकर टालने की कोशिश करते हैं। यह न केवल सामाजिक मर्यादाओं का उल्लंघन है, बल्कि त्योहार की पवित्रता को भी दूषित करता है। इसके अलावा, कुछ लोग होली के दौरान तेज आवाज में डीजे और पटाखों का उपयोग करते हैं, जिससे ध्वनि प्रदूषण बढ़ता है। यह विशेष रूप से वृद्ध लोगों, बीमार व्यक्तियों और छोटे बच्चों के लिए परेशानी का कारण बनता है।

त्योहार का आनंद उठाना सभी का अधिकार है, लेकिन यह दूसरों की असुविधा का कारण नहीं बनना चाहिए। इसलिए होली को संयम और मर्यादा के साथ मनाना आवश्यक है, ताकि यह वास्तव में भाईचारे और आनंद का प्रतीक बना रहे।

होली को पर्यावरण-संवेदनशील बनाना मुश्किल नहीं है, बस इसके लिए थोड़ी जागरूकता और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। सबसे पहले, हमें रासायनिक रंगों के स्थान पर प्राकृतिक रंगों का उपयोग करना चाहिए। फूलों से बने रंग, हल्दी, चंदन और मेंहदी जैसे विकल्प न केवल पर्यावरण के लिए सुरक्षित हैं, बल्कि त्वचा और स्वास्थ्य के लिए भी लाभदायक हैं। इसके अलावा, यदि बाजार में हर्बल रंग उपलब्ध नहीं हैं, तो घर पर ही आटा, बेसन या मैदा से सूखा गुलाल तैयार किया जा सकता है।

पानी की बचत के लिए सूखी होली मनाने पर जोर दिया जाना चाहिए। रंगों से खेलने का आनंद सूखे गुलाल से भी लिया जा सकता है, जिससे पानी की बबार्दी को रोका जा सकता है। यदि पानी का उपयोग करना ही है, तो इसे सीमित मात्रा में और सोच-समझकर किया जाए। पानी के गुब्बारों और पिचकारियों के अनावश्यक उपयोग से बचना चाहिए, क्योंकि इससे पानी की खपत बढ़ती है और कई बार चोट लगने की घटनाएं भी होती हैं।

होलिका दहन को अधिक पर्यावरण-अनुकूल बनाने के लिए पारंपरिक लकड़ी के बजाय गोबर के उपले और कृषि अपशिष्ट का उपयोग किया जा सकता है। इससे लकड़ी की कटाई कम होगी और वायु प्रदूषण भी नियंत्रित रहेगा। कुछ स्थानों पर ‘सामूहिक होलिका दहन’ की परंपरा शुरू की जा रही है, जिसमें एक ही स्थान पर सभी लोग मिलकर होली जलाते हैं, जिससे लकड़ी की बर्बादी कम होती है। इस तरह की पहल को अधिक बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

साथ ही, होली के दौरान स्वच्छता बनाए रखना भी बहुत जरूरी है। त्योहार के बाद प्लास्टिक की पन्नियों, रंगों और अन्य कचरे को इधर-उधर न फेंकें। सफाई का विशेष ध्यान रखें और सार्वजनिक स्थानों को स्वच्छ बनाए रखें। यदि हम अपने आस-पास के लोगों को भी सफाई के महत्व के बारे में जागरूक करें, तो यह त्योहार और भी अधिक सकारात्मक और अर्थपूर्ण बन सकता है।

इस बार होली मनाते समय संकल्प लें कि हम प्राकृतिक रंगों का उपयोग करेंगे, पानी की बचत करेंगे, सफाई का ध्यान रखेंगे और त्योहार को सम्मानजनक तरीके से मनाएंगे। आखिरकार, होली का असली मकसद खुशियां फैलाना और रिश्तों को मजबूत बनाना है, न कि प्रकृति को नुकसान पहुंचाना। जब हम पर्यावरण और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाते हुए होली मनाएंगे, तब यह वास्तव में रंगों का त्योहार बनेगा। ‘हरंग’ ऐसे खेलें जो दिलों को जोड़ें, न कि पर्यावरण को नुकसान पहुंचाएं!

बता दें कि देश के हर हिस्से की होली अपना अलग अंदाज लिए होती है, लेकिन जब बात होली की हो तो ब्रज की होली को बिसराया नहीं जा सकता। ढोलक की थाप और झांझ की झंकार के साथ लोक गीतों की स्वर लहरियों से वसुधा के कण-कण को प्रेममय क्रीड़ा के लिए आकर्षित करने वाली होली ब्रज की गलियों में बड़े अद्भुत ढंग से मनाई जाती है। फागुन में कृष्ण और राधा के बीच होने वाली प्रेम-लीलाओं के आनंद का यह त्योहार प्रकृति के साथ जनमानस में सकारात्मकता और नवीन ऊर्जा का संचार करने वाला है।

यकीनन होली के इस माहौल में मन बौरा जाता है। जहां कई कवियों ने फागुन मास में नायक और नायिका के बीच बढ़ रही उत्कंठा को अपनी रचनाओं में ढाला है वहीं कई ने प्रकृति के बदलते स्वरूप का मनोरम चित्रण किया है। अनुराग और प्रीति के इस पर्व का भक्तिकालीन और रीतिकालीन काव्य में बखूबी चित्रण किया गया है। आदिकालीन कवि विद्यापति से लेकर भक्तिकालीन कवि सूरदास, रहीम, रसखान, पद्माकर, जायसी, मीरा, कबीर और रीतिकालीन कवि बिहारी, केशव, घनानंद सहित सगुन साकार और निर्गुण निराकर भक्तिमय प्रेम और फागुन का फाग भरा रस सभी के अंतस की अतल गहराइयों को स्पर्श करके गुजरा है। इसे होली की ही महिमा कहा जाएगा कि तमाम मुस्लिम कवियों ने भी उसका अपने-अपने तरीके से गुणगान किया है। होली का त्योहार प्रणय मिलन और विरह वेदना के बाद सुखद प्रेमानुभूति के आनंद का प्रतीक है। राग-रंग और अल्हड़पन का झरोखा, नित नूतन आनंद के अतिरेकी उद्गार की छाया, राग-द्वेष का क्षय कर प्रीति के इंद्रधनुषी रंग बिखेरने वाला यह त्योहार कितनी ही लोककथाओं और किंवदंतियों में गुंथा हुआ है। प्रह्लाद और हिरण्यकश्यप की कथा जनमानस में सर्वाधिक प्रचलित है।

दूध-दही से लेकर बारूद से भी खेली जाती है होली

भारत के अन्य राज्यों की भांति राजस्थान में होली की अलग-अलग परंपराएं हैं। राज्य में अबीर-गुलाल से लेकर बारूद की होली भी विश्व प्रसिद्ध है। राज्य का डीग क्षेत्र ब्रजभूमि का ही हिस्सा है। डीग के गुलाब कुंड को होली का उद्गमस्थल माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि जब भगवान कृष्ण ने अपने श्याम वर्ण को लेकर माता यशोदा से प्रश्न किया था, तब माता ने गोपियों और राधा के साथ होली खेलने की सलाह दी थी और तभी से यह परंपरा शुरू हुई। आज भी यहां पर लट्ठमार होली बरसाना और नंदगांव की तर्ज पर खेली जाती है। पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर में लगभग 300 वर्ष से डोलची (बाल्टी) मार होली खेली जा रही है। इसमें पुरुष ऊंट की खाल से बनी डोलची में पानी भरकर एक-दूसरे पर फेंकते हैं। मेवाड़ की बारूद की होली विश्व प्रसिद्ध है। उदयपुर से करीब 45 किलोमीटर दूर मेनार गांव में जमराबीज पर जबरी गेर के नाम से यह अनूठी होली खेली जाती है। मेवाड़ की इस होली में रंग नहीं, बारूद इस्तेमाल होता है। बंदूकों और तलवार की आवाज से युद्ध जैसे दृश्य देखने को मिलते हैं।

होली के दिन पांच महलों से ओंकारेश्वर चौक पर मेवाड़ी पोशाक में सज-धजकर योद्धा हवाई फायर और तोपों से गोले दागते हैं। मध्य रात्रि को तलवार की जबरी गेर भी खेली जाती है। बारूद से होली की यह परंपरा पिछले 400 साल से अधिक वर्षों से चली आ रही है। बारूद की होली के लिए पूरे गांव को दुल्हन की तरह सजाया जाता है।

राजस्थान का इतिहास लिखने वाले इतिहासकार कर्नल जेम्स टॉड ने भी मेनार गांव का उल्लेख अपनी किताब एनाल्स एंड एंटीक्विटीज ऑफ राजस्थान में मनिहार नाम के गांव से किया है। गांव का संबंध महाराणा प्रताप के पिता उदय सिंह से भी जुड़ा हुआ था।

जालोर के आहोर में पत्थर मार होली खेली जाती है, जिसे भाटा गेर भी कहते हैं। इसमें दो गुट एक-दूसरे पर पत्थर फेंकते हैं। ऐसी मान्यता है कि देवी के वरदान से चोटें सात दिन में ठीक हो जाती हैं। यह परंपरा 100 साल से अधिक पुरानी है, जिसे आज भी गांव के लोग निभा रहे हैं। नाथद्वारा में होली से पहले नंद महोत्सव होता है, जिसमें दूध और दही से होली खेलने की एक परंपरा है। श्रीनाथजी को केसर मिश्रित दूध-दही से भोग लगाया जाता है और फिर भक्तों पर इसका छिड़काव किया जाता है।

राजस्थान में सहरिया जाति की होली दुनियाभर में अपने अनोखे अंदाज के लिए प्रसिद्ध है। सहरिया जाति स्वांग नृत्य, परंपरागत् फाग व रसिया गीत गाते हैं, जिसमें राम-रावण युद्ध, कृष्ण लीला आदि से संबंधित प्रसंग होते हैं। ढोल, मटकी, नागरी, मजीरा जैसे पारंपरिक वाद्य यंत्रों का उपयोग किया जाता है। सहरिया स्वांग की विशेषता यह है कि शरीर पर गुलाल लगाकर नृत्य किया जाता है। सहरिया क्षेत्र के गांव में होली से 8 दिन पहले ही लोग रात-रात भर फाग गाते हैं। जोधपुर के प्राचीन गंगश्याम मंदिर में फागुन मास की शुरुआत से रंग पंचमी तक 40 दिनों तक होली खेली जाती है। भगवान कृष्ण के सामने होली के गीतों के साथ अबीर गुलाल और फूलों का प्रयोग होता है।

विडंबना है कि आधुनिकता और संचार क्रांति के इस युग में होली खुले मैदान, गली-मोहल्लों से निकलकर मोबाइल स्क्रीन पर सिमट रही है। हमें सुनिश्चित करना होगा कि होली वाट्सएप-फेसबुक के संदेशों तक सिमटकर न रह जाए। होली को बिंदास और अल्हड़ तरीके से मनाने की पारंपरिक पद्धति के खंडन ने कुछ लोगों को होली के प्रति उदासीन किया है तो इसीलिए कि इस पर्व के मूल उद्देश्य की अनदेखी होनी लगी है।

यह हम सबकी जिम्मेदारी है कि मेल-मिलाप और खुशियों की सौगात देने वाली होली अपनी उसी आभा के साथ मनाई जाए जिसके लिए वह सदियों से जानी जाती रही है। होली के रंगों का केवल भौतिक ही नहीं बल्कि आत्मिक महत्व भी है। रंग हमारी उमंग में वृद्धि करते हैं और हर रंग का मानव जीवन से गहरा अंतसंबंध है। इसीलिए सदैव इस पर जोर दिया जाता है कि होली प्राकृतिक रंगों से खेलें। ऐसा करके आप केवल प्रकृति के सानिध्य में ही नहीं जाते, बल्कि उसे पोषण भी प्रदान करते हैं और साथ ही उसकी महत्ता से भी अवगत होते हैं।

होली का आनंद तभी है जब उसे परंपरागत तौर-तरीकों से खेला जाए। हमारे प्रत्येक पर्व किसी विशेष खान-पान से जुड़े हैं। होली भी अपने विशेष खान-पान के लिए जानी जाती है। यह ठीक नहीं कि पर्व विशेष से जुड़े परंपरागत खान-पान पर बाजार की मिठाइयां हावी हो रही हैं। होली ऐसे मनाई जानी चाहिए जिससे उसके रंग और चटख हों। होलिका दहन के नाम पर केवल घास-फूस ही न जलाएं अपितु उन बुराइयों का भी दहन करें जो समाज में अलगाव और वैमनस्य बढ़ा रही हैं। इसी तरह केवल अबीर-गुलाल ही नहीं उड़ाएं, बल्कि अपनत्व और बंधुत्व का रंग और गाढ़ा करें।

होली शांतिपूर्ण सम्पन्न कराने चप्पे चप्पे पर तैनात खाकी

शहर में चार सौ से ज्यादा फोर्स ने संभाली कमान

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, रंगों के महापर्व होली शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के लिए खाकी वर्दीधारियों ने मोर्चा संभाल लिया है। चप्पे चप्पे पर पुलिस बल को तैनात किया गया है। पर्व के दौरान गड़बड़ी करने वाले तत्वों पैनी निगाह रखी जाएगी। यह निर्देश पुलिस अधीक्षक अभिजीत कुमार रंजन ने आज शाम कोतवाली परिसर में पुलिस अधिकारियों कर्मचारियों को दिये। एसपी ने कहा कि आज रात से लेकर अगले दो दिनों तक पुलिस को लगातार एक्टिव मोड पर रहना है। वाहन चेकिंग लगातार की जाएगी। इस दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालकों पर कार्रवाई की जाएं। एसपी ने कहा कि शहर में 70 पेट्रोलिंग पार्टी पूरे शहर का भ्रमण करेगी और असमाजिक तत्वों के खिलाफ कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने शहर के समस्त नागरिको से उल्लासमय वातावरण में होली पर्व मनाने की अपील की है।

होली से पहले कोतमा पुलिस की बड़ी कार्रवाई- अवैध शराब जब्त, 11 आरोपी गिरफ्तार

कोतमा पुलिस की सख्ती... ढाबों और दुकानों पर दबिश, लाखों की अवैध शराब बरामद

सुशिल सोनी । सिटी चीफ थाना कोतमा व्दारा होली के पूर्व ढाबों दुकानो की चेकिंग व दबिश कार्यवाही पर अवैध शराब जप्त कर 11 आरोपियों के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किये गये ।

होली के त्यौहार के पूर्व श्रीमान् पुलिस अधीक्षक महोदय व्दारा सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है कि अवैध शराब की बिक्री पर नियंत्रण किया जाए जिसके अनुक्रम में श्रीमान् के निर्देशानुसार दिनांक 12.03.2025 एवं 13.03.2025को थाना कोतमा क्षेत्र के ढाबो ,दुकानों की चेकिंग व दबिश कार्यवाही की गई:-

1. अप.क्र. 86/25 आरोपी बेचू लाल केवट पिता स्व. रामनाथ केवट उम्र 45 वर्ष निवासी वार्ड नं. 05 पुरानी बस्ती कोतमा कुल 13 पाव देशी प्लेन मदिरा (प्रत्येक में 180 ml) शराब कुल 2.340 लीटर कीमती 910 रूपये ।

2. अप.क्र. 87/25 आरोपी बिहाना बाई विश्वकर्मा पति विशाल विश्वकर्मा उम्र 65 वर्ष निवासी बगैहा थाना कोतमा जिला अनूपपुर कुल 06 लीटर अवैध देशी हाथ भट्टी महुआ की बनी कीमती 900 रूपये ।

3. अप.क्र. 88/25 आरोपी अनूज कुमार साहू पिता वासुदेव साहू उम्र 24 वर्ष नि.वार्ड नं. 04 कोतमा कुल 12 पाव देशी प्लेन मदिरा (प्रत्येक में 180ml) शराब कुल 2.160 लीटर कीमती 840 रूपये ।

4. अप.क्र. 89/25 आरोपी गणेश यादव पिता मोहन लाल उम्र 40 साल नि. ग्राम मुड़धवा थाना कोतमा जिला अनूपपुर कुल 15 पाव देशी प्लेन मदिरा (प्रत्येक में 180 ml) शराब कुल 2.700 लीटर कीमती 1050 रूपये ।

5. अप.क्र. 90/25 आरोपी दरबारी लाल नामदेव पिता स्व. रामपति नामदेव उम्र 58 वर्ष निवासी ग्राम देवगंवा हाल केशवाही रोड जमुनिहा थाना कोतमा जिला अनूपपुर के कब्जे से 1. किंग फिसर बीयर 5 नग की बोतल में (प्रत्येक 650 द्वद्य) कीमती 900रूपये 2. केन पावर 1000 बीयर 06 नग (प्रत्येक 500 द्वद्य) कीमती 660रूपये 3. ब्लूचिप अग्रेजी शराब 09 पाव (180 द्वद्य प्रत्येक) कीमती 1080 रूपये 4. एमडी न. 01 अग्रेजी शराब 06 पाव (180 द्वद्य प्रत्येक) कीमती 1260 रूपये 5.ओसी अग्रेजी शराब पाव 06 नग (180द्वद्य प्रत्येक) मे कीमती 1020 रूपये 6. एमडी रम अग्रेजी शराब 02 पाव (180 द्वद्य प्रत्येक) कीमती 320 रूपये 7. रायल स्टेज अग्रेजी शराब 03 पाव (180 द्वद्य प्रत्येक) कीमती 780 रूपये 8. देशी मसाला शराब 17 पाव (180 द्वद्य प्रत्येक) कीमती 1445 रूपये 9. देशी प्लेन मदिरा शराब 07 पाव (180द्वद्य प्रत्येक) कीमती 720 रूपये ।

तथा दिनांक 13.03.2025 को 1. अप.क्र. 91/25 आरोपी कमल सिंह उर्फ लल्लू पिता बंसू सिंह उम्र 39 वर्ष निवासी वार्ड नं. 04 दर्री टोला कोतमा कुल 82 पाव देशी प्लेन मदिरा (प्रत्येक में 180 द्वद्य) शराब कुल 14.760 लीटर कीमती 5740 रूपये ।

2. अप.क्र. 92/25 आरोपी शंभू सिंह पिता स्व. सत्यनारायण सिंह उम्र 45 साल निवासी सियाड़ी मठिया पोस्ट सियाड़ी थाना कोंच जिला बिहार हाल बड्डे मुल्ला जी के बगल में किराये से कोतमा के कब्जे से एक ग्रे रंग की ञ्जङ्क्स मोटर सायकल ष्टत्र07छ्व8567 कीमती 50000 रूपये तथा एक खाकी रंग के कार्टून में 12 बाटल किंग फिसर बीयर 750 रूरू प्रत्येक तथा 06 नग पावर केन टिन बीयर प्रत्येक 500 रूरू के तथा अंग्रेजी शराब आफिसर च्वाइस 06 नग प्रत्येक 180 रूरू के तथा देशी मशाला शराब 05 नग प्रत्येक 180 रूरू कुल शराब 13 .980 लीटर कुल कीमती 5310 रूपये

3. अप.क्र. 93/25 आरोपी धर्मेश पाठक पिता स्व. राजाराम पाठक उम्र 44 साल निवासी भट्ठी कपूरवा पोस्ट पचखरा थाना पचखरा जिला रायबरेली (उ.प्र.) बड़े मुल्ला जी के बगल में किराये से कोतमा के कब्जे से एक खाकी रंग के कार्टून में 12 बाटल किंग फिसर बीयर 750 रूरू प्रत्येक तथा 06 नग पावर केन टिन बीयर प्रत्येक 500 रूरू के तथा अंग्रेजी शराब आफिसर च्वाइस 06 नग प्रत्येक 180 रूरू के तथा देशी मशाला शराब 05 नग प्रत्येक 180 रूरू कुल शराब 13 .980 लीटर कुल कीमती 5310 रूपये

4. अप.क्र.94/25 आरोपी राजकुमार पाव पिता हलकरण पाव उम्र 32 वर्ष नि. ग्राम कनवाही थाना कोतमा जिला अनूपपुर के कब्जे से एक खाकी रंग के कार्टून में किंग फिसर वियर 03 बाटल 650द्वद्य ,पावर 10000 वियर 04 बाटल 650 द्वद्य एवं 20 पाव देशी मशाला शराब प्रत्येक शीशी 180 द्वद्य,एवं 19 पाव देशी प्लेन मदिरा प्रत्येक शीशी 180 द्वद्य एवं 05 पाव ओल्ड मज अंग्रेजी शराब प्रत्येक 180 द्वद्य का तथा 03 हाफ आफिसर च्वाईस विस्की 375 द्वद्य एवं 11बाटल पावर 10000 वियर 500 द्वद्य कुल शराब 19 लीटर 095 द्वद्य कुल कीमती 7530 रूपये

5. अप.क्र. 95/25 आरोपी माया राम जायसवाल पिता हरिशंकर जायसवाल उम्र 52 वर्ष नि. खोड़री थाना कोतमा के कब्जे से एक सफेद रंग की बोरी में पावर बियर 10000 कुल 23 नग प्रत्येक 500द्वद्य एवं देशी मसाला 16 पाव प्रत्येक 180 द्वद्य तथा एम.डी.अंग्रेजी शराब 04 पाव प्रत्येक 180 द्वद्य कुल 15 लीटर कीमती 5110 रूपये ।

6. अप.क्र. 96/25 आरोपी भवन सिंह गोड़ पिता मोहन सिंह गोड़ उम्र 35 वर्ष निवासी मुड़धवा थाना कोतमा के कब्जे से 12 नग किंग फिसर एवं पावर (10000) 09 वियर प्रत्येक बाटल में 650 द्वद्य शराब एवं 06 नग देशी प्लेन मदिरा प्रत्येक में 180 द्वरु कुल कीमती 4410 रूपये।

इस प्रकार दिनांक 12.03.2025 एवं दिनांक 13.03.2025 को अलग अलग 11 स्थानो से 6 लीटर हाथ भट्ठी देशी शराब एवं देशी प्लेन मदिरा 27.720 लीटर तथा देशी मसाला शराब 10.440 लीटर तथा अंग्रेजी शराब मात्रा 61.955 लीटर कुल कीमती 33,410 रूपये की अवैध शराब तथा एक अदद ञ्जङ्क्स मोटर सायकल कीमती 50000 रूपये की जप्त कर 11 आरोपियों के विरूद्ध प्रकरण दर्ज किये गये है उक्त कार्यवाही में उप निरीक्षक अकबर खान,सउनि विनय सिंह, चंद्रहास बांधेकर, बृजेश कुमार पांडेय, सुरेश अहिरवार, प्र.आर. मनोज नामदेव, रामपाल पटेल, दिनेश राठौर, राजाराम दाहिया, सपन नामदेव,आर.अभय त्रिपाठी, प्रदीप यादव , शुभम तिवारी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है.

थाना रामनगर द्वारा होली के परिप्रेक्ष्य में लगातार दूसरे दिन अवैध शराब

जप्त कर 03 आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किए गए

सुशिल सोनी । सिटी चीफ होली के त्योहार के परिप्रेक्ष्य में श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय श्री मोती उर रहमान जी द्वारा निर्देशित करने पर से अवैध शराब के विरुद्ध कार्यवाही के अनुक्रम में श्रीमान के निर्देशानुसार दिनांक 13.03.2025 को भी थाना रामनगर पुलिस द्वारा आरोपी रामनरेश गुप्ता पिता दरबारी लाल उम्र 43 वर्ष निवासी हर्रा टोला कुहका के कब्जे से 24 पाव देशी व अंग्रेजी शराब कीमती करीब 1920/- रुपए जप्त कर अपराध क्रमांक 59/25 धारा 34(1) आब. एक्ट का प्रकरण दर्ज किया गया है ।

आरोपी अजय कुमार पिता अर्जुन पनिका उम्र 31 वर्ष निवासी पौराधार राजनगर अंग्रेजी शराब कुल 18 केन कीमत 2340/- रुपए जप्त कर अपराध क्रमांक 60/25 धारा 34(1) आब. एक्ट का प्रकरण दर्ज किया गया है ।

आरोपी सोहन सिंह गोंड पिता समयलाल उम्र 33 वर्ष निवासी कुहका हाथ भट्टी की शराब कुल 07 लीटर कीमत 700/- रुपए जप्त कर अपराध क्रमांक 61/25 धारा 34(1) आब. एक्ट का प्रकरण दर्ज किया गया है ।

इस प्रकार अलग अलग 03 स्थानों से अवैध शराब जप्त कर 03 आरोपियों के विरुद्ध प्रकरण दर्ज किए गए हैं ।

पत्रकारों में एकजुटता का अभाव: जैन

श्रमजीवी पत्रकार संघ की ब्लॉक कार्यकारिणी घोषित, नव नियुक्त पदाधिकारियों का स्वागत कर दी बधाई

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ शाजापुर, जिला मुख्यालय के पत्रकारों में एकजुटता का अभाव है, जबकि जिले की तहसीलों के पत्रकार संगठित होकर काम कर रहे है। शाजापुर में कतिपय धंधेबाज लोग पत्रकारिता का चोला पहनकर पत्रकारों की एकजुटता को खंडित कर रहे हैं, इस कारण यहां के पत्रकारों पर राजनीति और प्रशासन हावी होने का प्रयास करता है। श्रमजीवी पत्रकार संघ ने ईमानदार पत्रकारों के हितों की लड़ाई लड़कर हमेशा जीती है और हमारा संगठन सदैव ऐसे पत्रकारों के साथ खड़ा रहेगा। यह बात श्रमजीवी पत्रकार संघ के प्रदेश संयुक्त सचिव श्री मनोज जैन ने बुधवार रात सिंचाई विभाग के विश्राम गृह पर संघ की शाजापुर ब्लॉक इकाई द्वारा आयोजित बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कही। बैठक में श्रमजीवी पत्रकार संघ की ब्लॉक इकाई का गठन कर नव नियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष श्री अभिषेक सक्सेना ने की एवं विशेष अतिथि के रूप में संघ के संभागीय उपाध्यक्ष श्री किशोर खन्ना, वरिष्ठ पत्रकार श्री मनोज पुरोहित व संगठन के जिला सचिव श्री इमरान खरखरे उपस्थित थे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार श्री पुरोहित ने कहा कि शाजापुर में पत्रकार ही पत्रकारों का नमक खा रहे हैं। यहां के पत्रकारों की आपसी फूट का फायदा राजनीतिक दलों के पदाधिकारी, जन प्रतिनिधि और प्रशासनिक अधिकारी उठा रहे हैं। इसी कारण यहां के पत्रकारों को इन लोगों के आगे पीछे घूमने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जबकि स्थिति ठीक इसके विपरीत होना चाहिए। अपने आत्म सम्मान और स्वाभिमान की रक्षा के लिए पत्रकारों को निजी स्वार्थों को छोड़कर एकजुट होना चाहिए। श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष श्री सक्सेना ने कहा कि शाजापुर के पत्रकारों में भले ही आपसी फूट हो, लेकिन हमारे संगठन के सदस्य एकजुट होकर काम करते हैं। श्रमजीवी पत्रकार संघ के सभी सदस्य और पदाधिकारी एकजुट रहेंगे तो फर्जी पत्रकार और उनके संगठन स्वत: ही समाप्त हो जाएंगे। श्री सक्सेना ने जल्द ही शाजापुर में श्रमजीवी पत्रकार संघ के भवन निर्माण कराने की रूपरेखा तैयार करने की बात भी कही, ताकि संघ के सभी साथी वहां बैठकर विचार विमर्श और अपनी रूपरेखा तैयार कर सके। श्रमजीवी पत्रकार संघ के संभागीय उपाध्यक्ष श्री खन्ना ने कहा कि पत्रकारों में एकजुटता होना आवश्यक है। शाजापुर के कुछ पत्रकार एकदूसरे की टांग खींचते रहेंगे तो उससे उनका ही नुकसान होगा। उन्होंने कहा कि संघ ने शाजापुर ब्लॉक इकाई अध्यक्ष के रूप में उर्जावान पत्रकार हेमंत आर्य को नियुक्त कर पत्रकार एकजुटता की दिशा में पहला कदम उठाया है। मैं उम्मीद करता हूं कि नव नियुक्त ब्लॉक अध्यक्ष अपनी कार्य प्रणाली से शाजापुर के पत्रकारों को एकजुट करने में सफल होंगे। कार्यक्रम का संचालन कर रहे श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला महासचिव श्री उमेश टेलर ने कहा कि पत्रकारों के लिए शाजापुर में कहीं ऐसा स्थान नहीं जहां वे एक साथ बैठकर विचार-विमर्श कर सके इसीलिए कतिपय लोग गलत फहमियां पैदा करने में सफल हो जाते हैं। पत्रकारों के एक साथ बैठने के लिए जिला मुख्यालय पर भवन निर्माण हो जाएगा तो सारी गलत फहमियां दूर हो जाएंगी और फर्जी पत्रकार स्वत: ही समाप्त हो जाएंगे। उन्होंने प्रदेश संयुक्त सचिव श्री जैन एवं जिला अध्यक्ष श्री सक्सेना से शीघ्र ही शाजापुर में श्रमजीवी पत्रकार संघ का भवन निर्माण कराने की मांग की। स्वागत भाषण देते हुए श्रमजीवी पत्रकार संघ के ब्लॉक अध्यक्ष हेमंत आर्य ने संघ के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों के प्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि मैं आपकी उम्मीदों पर खरा उतरने की पूरी कोशिश करूंगा। साथ ही शाजापुर के सभी ईमानदार पत्रकार साथियों की लड़ाई संघ के सभी वरिष्ठ पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में लड़ने की कोशिश करूंगा। साथ ही उन्होंने पत्रकार साथियों से भी स्तरीय पत्रकारिता करने की अपील की। उन्होंने कहा कि खबरें तथ्यात्मक और पत्रकारों की कलम में धार होगी तो उन्हें नेताओं, अधिकारियों के आगे पीछे घूमने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इस अवसर पर जिला कोषाध्यक्ष राजेश कलजोरिया, जिला उपाध्यक्ष अमित मालवीय, आदित्य शर्मा, जिला सचिव शहजाद खान, इमरान अंसारी, जिला संयुक्त सचिव मोहित राठौर, ओपी प्रजापति, संगठन के गुलाना ब्लॉक अध्यक्ष सलीम खान, जिला कार्यकारिणी सदस्य अजयसिंह कुशवाह, सलीम खान, अजहर खान, इरफान मंसूरी, अनिल मुकाती, मोहित व्यास, पीयूष भावसार, जितेंद्र भावसार, धनराज गवली, नरेंद्र भाटी, संदीप गुप्ता, संजय गोस्वामी, निर्मल गोस्वामी, सुनील हंचोरिया, तेजकरण चौहान, बंटी व्यास, जीवनसिंह गुर्जर, नितीन परमार, रामेष्वर राठौर, ईष्वरसिंह भिलाला, महेंद्र आचार्य, दिलीप नागर, उदय संसारिया सहित बड़ी संख्या में शाजापुर के पत्रकार साथी उपस्थित थे।

शाजापुर ब्लॉक कार्यकारिणी श्रमजीवी पत्रकार संघ के जिला अध्यक्ष श्री अभिषेक सक्सेना ने कार्यक्रम में संगठन की ब्लॉक कार्यकारिणी की घोषणा की। नवगठित ब्लॉक कार्यकारिणी में उपाध्यक्ष मुस्तफा अली बोहरा, अनुराग श्रीवास्तव, अमित शर्मा को नियुक्त किया गया। वहीं ब्लॉक कोषाध्यक्ष सुनील भाटी को मनोनीत किया गया। इसी प्रकार महासचिव मोहित भावसार को बनाया गया जबकि सचिव संजय सक्सेना, गय्यूर खान एवं किशोर सिंह राजपूत को नियुक्त किया गया। संयुक्त सचिव रवि सांकलिया, आकाश पांचाल, मुकेश राठौर बनाए गए एवं कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मुकेश शर्मा, किशोर सोनी, संजय राठौर, इरफान खान, अजय वर्मा व अफसर खान नियुक्त किए गए। नव नियुक्त ब्लॉक पदाधिकारियों को सभी ने बधाई दी एवं पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम में श्रमजीवी पत्रकार संघ के सदस्यों को वार्षिक सदस्यता कार्ड का वितरण किया गया एवं आगामी 26 एवं 27 मार्च को मुरैना में आयोजित होने वाले श्रमजीवी पत्रकार संघ के महाधिवेशन में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की गई।

कलेक्टर, एसपी, जि.पं. सीईओ व एडीएम ने नागरिकों को दी होली की शुभकामनाएं

सुशिल सोनी । सिटी चीफ अनूपपुर, कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली, पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री तन्मय वशिष्ठ शर्मा व अपर कलेक्टर श्री दिलीप कुमार पाण्डेय ने जिलेवासियों को होली की शुभकामना और बधाई देते हुए कहा है कि आपसी प्रेम, स्नेह और भाईचारे का प्रतीक यह रंगोत्सव आप सभी के जीवन में खुशियों का हर रंग लेकर आए। उन्होंने संयुक्त संदेश में कहा है कि होली उत्साह और उमंग का त्यौहार है। यह रंगों, खुशियों और मेल मिलाप का भी त्यौहार है। यह दिन लोगों के बीच खुशियां बाटने का है। उन्होंने सभी लोगों से सुरक्षित और पर्यावरण के अनुकूल होली मनाने की अपील की है।

प्रभारी मंत्री तथा कुटीर एवं ग्रामोद्योग मंत्री ने दी जिलेवासियों को होली पर्व की शुभकामनाएं

सुशिल सोनी । सिटी चीफ अनूपपुर, मध्यप्रदेश शासन के वन एवं पर्यावरण राज्यमंत्री तथा अनूपपुर जिले के प्रभारी मंत्री श्री दिलीप अहिरवार व मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने जिले के नागरिकों को होली पर्व की शुभकामनाएं दी हैं। मंत्री द्वय ने कहा है कि होली आपसी सद्भाव और प्रेम का त्यौहार है। इसे सद्भाव के साथ मनाएं। उन्होंने कहा है कि शान्ति एवं सद्भाव के साथ होली का त्योहार मनाते हुए आपस में खुशियां बांटें।

श्री विष्णु भगवान मंदिर में महिला मंडल द्वारा होली उत्सव बडे ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, श्री विष्णु भगवान मंदिर विष्णु चौक कायस्थवाड़ा में महिला मंडल द्वारा होली उत्सव बडे ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने ठाकुर जी के सुंदर-सुंदर होली के भजन गाकर नृत्य किया। महिलाओं ने प्रभु संग होली खेलते हुए एक- दूसरे को गुलाल लगाया।गुलाल के साथ-साथ फूलों से भी होली खेली गई। छोटे बच्चों ने होली उत्सव पर सुंदर नृत्य कर सबका मन मोह लिया। इसके उपरांत प्रभु को प्रसाद अर्पण किया गया। होली उत्सव में मुख्य रूप से रीमा बंसल, रुचि कंसल, सोनिया बंसल, छवि बंसल, रजनी गुप्ता, प्राची बंसल, पूनम पुंडीर, बबली टंडन, पूनम अग्रवाल, नेहा बंसल, आयुषी बंसल, प्रियंका बंसल, आयुषी बंसल, नीतू बंसल, ऋतु अग्रवाल, सिम्मी बंसल, रेणु तायल, सीमा, डोली गर्ग, कल्पना, ममता शर्मा, ऋतु बंसल, पूजा बंसल, शोभा, कल्पना कौशिक, रश्मि, वैशाली, विजय लक्ष्मी, नेहा सेतिया, चारवी बंसल, परी बंसल, वैष्णवी बंसल आदि महिलाएं उपस्थित रही।

श्री त्रिपुर बाला सुंदरी देवी मंदिर पर लगने वाले मेले के खेल तमाशों का टेंडर 29 लाख 50 हजार रुपए छोडा गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर । देवबंद, नगर पालिका परिषद देवबंद के तत्वावधान में मां श्री त्रिपुर बाला सुंदरी देवी मंदिर पर अप्रैल माह में लगने वाले मेले का एसडीएम व पालिका ईओ डी के राय के सामने वीडियो ग्राफी के दौरान खेल तमाशों का टेंडर छोड़ा गया। पालिका के आदेशानुसार हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 10 प्रतिशत बढ़ाकर बोली छोड़ी गई है। पिछले साल 26 लाख 50 हजार में ठेका छोड़ा गया था लेकिन इस बार 29 लाख 50 हजार रुपए का खेल तमाशों का टेंडर हरिद्वार के ठेकेदार को दिया गया है। मेला चेयरमैन महक चौहान ने बताया कि इस बार मेले में पास नहीं चलेंगे। झूलों का टिकट बहुत कम कर दिया है। इस बार मेले को भव्य रूप से लगवाया जाएगा। मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होगी। इस दौरान सभासद विपिन त्यागी एडवोकेट, आरिफ अंसारी, मेला इंचार्ज विकास चौधरी, अकबर बाबू, सुंदर बाबू आदि मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने उज्जवला योजना के तहत 1890 करोड की धनराशि के 1.86 करोड़ परिवारों को किया निःशुल्क रसोई गैस सिलेण्डर रिफिल सब्सिडी वितरण

कलेक्ट्रेट में कार्यक्रम का हुआ सजीव प्रसारण, 111 लाभार्थियों को दिया गया प्रतीकात्मक चेक एवं सिलेण्डर

गौरव सिंघल । सिटी चीफ

सहारनपुर, प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा लखनऊ में प्रधानमंत्री उज्जवला योजना के अंतर्गत उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 1890 करोड की धनराशि के प्रदेश के 1.86 करोड पात्र परिवारों को निःशुल्क रसोई गैस सिलेण्डर रिफिल सब्सिडी का वितरण किया गया। इसी क्रम में बुधवार को कलेक्ट्रट स्थित नवीन सभागार में प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को राज्य मंत्री संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास जसवंत सैनी, नगर विधायक राजीव गुम्बर, विधायक नकुड प्रतिनिधि विकेश चौधरी द्वारा 111 लाभार्थियों को प्रतीकात्मक रूप से चेक एवं गैस सिलेण्डर प्रदान किये गए।

राज्य मंत्री संसदीय कार्य एवं औद्योगिक विकास जसवंत सैनी ने होली की बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि नि:शुल्क सिलेण्डर रिफिल देना मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का प्रदेश वासियों के लिए होली का तोहफा है। राज्य मंत्री जसवंत सैनी ने कहा कि उनकी सरकार गरीबों को समर्पित है। उन्होंने कहा कि सरकार ने गरीब और पात्र को नि:शुल्क राशन वितरण, आवास, आयुष्मान योजना के अन्तर्गत 05 लाख रूपये तक का इलाज और उज्जवला योजना के तहत नि:शुल्क गैस सिलेण्डर वितरित किये गए। उन्होंने कहा कि गैस सिलेण्डर के प्रयोग से धुंए से होने वाली आंख और सांस की बीमारियों से बचा जा सकता है। पारदर्शी व्यवस्था के तहत आज डीबीटी के माध्यम से सब्सिडी का पैसा सीधा लाभार्थियों के खातों में भेजा जा रहा है। नगर विधायक राजीव गुम्बर ने कहा कि सरकार द्वारा उज्जवला योजना के तहत गरीब और वंचितों को दिये गए नि:शुल्क सिलेण्डर घर की आवश्यकता पूरी होने के साथ उन्हें बीमारियों से भी बचाकर सुरक्षा प्रदान करेगा। विधायक नकुड प्रतिनिधि विकेश चौधरी ने कहा कि सरकार द्वारा बिना भेदभाव के जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सभी को दिया जा रहा है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र ने बताया कि योजना के अन्तर्गत लाभार्थियों को सिलेण्डर रिफिल की सब्सिडी प्रदान की गई। उन्होंने बताया कि ऐसे एसीटीसी लाभार्थी जिनके बैंक खाते आधार लिंक होंगे तथा जिनके आधार प्रमाणित होंगे वही योजना हेतु पात्र होंगे। इसलिए जिन लाभार्थियों के खाते आधार से लिंक नहीं हैं, वह लिंक करा लें। जिला पूर्ति अधिकारी मनीष कुमार ने बताया कि जनपद में 02 लाख 58 हजार लाभार्थियों को उज्जवला योजना के अन्तर्गत लाभान्वित किया जाना है। कार्यक्रम में पूर्व जिलाध्यक्ष मानवीर सिंह पुंडीर, महामंत्री योग चुघ, इंडियन ऑयल के मैनेजर गौरव कुमार, गैस कम्पनियों के प्रतिनिधियों सहित लाभार्थीगण उपस्थित रहे।

किडनी के बारे में जागरूकता प्रदान की

उज्जैन

आज, विश्व किडनी दिवस अवसर पर, हमने गर्व से सिविल अस्पताल, नागदा के भारत सरकार एवं एपेक्स किडनी केयर प्रा. लि द्वारा संचालित डायलिसिस यूनिट में जागरूकता कार्यक्रम रखा गया इस कार्यक्रम का उद्देश्य किडनी रोगियों और आम जनता को किडनी की सुरक्षा और किडनी रोगों से पीड़ित लोगों की देखभाल के महत्व के बारे में जानकारी दी अनुविभागीय अधिकारी बृजेश सक्सेना एसडीएम साहब ब्लॉक मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर अनिल कंदरिया डायलिसिस यूनिट के नोडल डॉक्टर गौरव पटेल सिविल हॉस्पिटल नागदा के प्रभारी डॉक्टर लोकेन सर के मार्गदर्शन में सभी मरीजों को जानकारी दी गई इस अवसर पर अपेक्स कंपनी के डायरेक्टर अविनाश मुद्गल किडनी केयर ऑफिसर राज्य कर्मचारी संघ तहसील अध्यक्ष अनोखी लाल प्रजापत राज्य कर्मचारी से संतोष जोशी लक्ष्मीकांत शर्मा आफरीन खान अविनाश केतवास गोलू जायसवाल मुस्कान सोनाली लक्ष्मण एवं डायलिसिस यूनिट के सभी कर्मचारी उपस्थित थे।

एक सामूहिक प्रयास हम एक साथ मिलकर किडनी स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने और किडनी रोगों से प्रभावित लोगों को व्यापक देखभाल प्रदान करने का प्रयास करते हैं। यह कार्यक्रम एक स्वस्थ समुदाय को बढ़ावा देने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

इस वर्ष की थीम क्या आपकी किडनी ठीक है? जल्दी पहचानें, किडनी की सुरक्षा करें हमें जागरूक करती है कि 90% किडनी रोग को समय रहते रोका या नियंत्रित किया जा सकता है। नियमित स्वास्थ्य जांच, संतुलित आहार, ब्लड प्रेशर और शुगर को नियंत्रित रखना, नमक और दर्द निवारक दवाओं का कम सेवन जैसी आदतें हमें किडनी फेल्योर से बचा सकती हैं।

ग्राम पंचायत खामखेड़ा आवास मेला आयोजन

खरगोन कसरावद ग्राम पंचायत खामखेड़ा में आवास मेला आवास प्लस सर्वे दूसरा चरण में शासन के निर्धारित पात्रता निर्धारण बिंदुओं के तहत् छूटे हुए पात्र हितग्राहियों का सर्वे किया जा रहा है सर्वेक्षण अंर्तगत जिसमें जनपद उपाध्यक्ष उमा बाई उपाध्यक्ष प्रतिनिधि , लक्ष्मण पटेल , ग्राम सरपंच दिनेश गुर्जर तथा, ग्राम के पंचगण तथा जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत् छूटे हुए आवास प्लस सर्वे 2.0 में पात्र हितग्राहियों का सर्वे कार्य किया जा रहा है।अब तक, ग्राम पंचायत खामखेड़ा में नवीन सर्वे में 56 पात्र हितग्राहियों का पंजीकरण किया गया है शेष पात्र हितग्राही 48 शेष है जो 31 मार्च 2025 तक सर्वे पूर्ण कर लिया जाएगा। उपाध्यक्ष प्रतिनिधि लक्ष्मण पटेल ने कहा गया कि ग्राम पंचायत खामखेड़ा में कुल 1058 परिवार है जिसमें पूर्व आवास योजना से 114 तथा प्रधानमंत्री आवास योजना से 254 हितग्राहियों को लाभान्वित किया जा चुका है। ग्राम में कोई भी पात्र हितग्राही नहीं छूटें घर घर जाकर आवास हेतु सर्वे किया जा रहा है।

बलकवाड़ा हाट भगोरिया मे चले लात घुसे, विडियो वायरल

खरगोन खरगोन जिले के बलकवाड़ा में बुधवार को भगोरिया हाट में दो गुटों के बीच जमकर मारपीट हुई । इस घटना का वीडियो गुरुवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है । घटना बस स्टैंड पर थाने के मात्र कुछ ही दुरी का है। 1 मिनट 38 सेकंड के वीडियो में 8 से 10 युवक आपस में लात घुसे चला रहे हैं । मौके पर मौजूद एक पुलिसकर्मी ने युवकों को रोकने का प्रयास किया लेकिन वह असफल रहे । उत्पाती युवकों ने हाथ में लगी दुकानों का सामान भी एक दूसरे पर फेंका। फिलहाल इस प्रकरण में किसी की और से कोई रिपोर्ट नहीं दर्ज हुई है। सोशल मीडिया पर वीडियो खुब वायरल हो रहा है

स्व-सहायता समूह की बहनों ने कलेक्टर एवं सीईओ जिला पंचायत को दी होली की शुभकामनाएं

नर्मदापुरम

समूह द्वारा तैयार किए गए हर्बल गुलाल, श्रीअन्न मिलेट के व्यंजन और अन्य उत्पाद उपहार स्वरूप दिए

नर्मदापुरम में म.प्र. राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला पंचायत नर्मदापुरम अंतर्गत गठित एवं संचालित स्व-सहायता समूह की बहनों ने कलेक्टर सुश्री सोनिया मीना एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम श्री एस. एस रावत को होली की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर समूह द्वारा तैयार किए गए हर्बल गुलाल, श्रीअन्न मिलेट के व्यंजन और अन्य उत्पाद उपहार स्वरूप दिए।

कलेक्टर सुश्री मीना ने समूह द्वारा बनाए जा रहे उत्पादों की सराहना की और बहनों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने कहा कि स्व-सहायता समूह की बहनें अपने उत्पादों के माध्यम से न केवल अपनी आजीविका को मजबूत बना रही हैं, बल्कि समाज में भी एक सकारात्मक परिवर्तन ला रही हैं।

इस अवसर पर कलेक्टर कार्यालय में समूह की बहनों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसमें हर्बल गुलाल, श्रीअन्न मिलेट के व्यंजन, फूलों से बनी अगरबत्ती और अन्य उत्पाद शामिल थे। इन उत्पादों को सभी के द्वारा बहुत पसंद किया जा रहा है और क्रय किया जा रहा है। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नर्मदापुरम श्री सिंह द्वारा बताया गया कि इस प्रदर्शनी का उद्देश्य स्व-सहायता समूह की बहनों द्वारा तैयार किए जा रहे उत्पादों को प्रदर्शित करना और उन्हें बाजार में उतारने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस अवसर पर कलेक्टर और जिला पंचायत कार्यालय के अधिकारी, कर्मचारी और स्व-सहायता समूह की बहनें उपस्थित थे।

कलेक्टर ने वृद्धाश्रम में पहुंचकर वृद्धजनों को होलिका की शुभकामनाएं अभिव्यक्त कर आत्मीय आशीर्वाद प्राप्त किया

विदिशा कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने होली की पूर्व संध्या पर शहर के श्रीहरिवृद्धाश्रम में पहुंचकर वृद्धजनों से संवाद किया और उन्हें होली की शुभकामनाएं अभिव्यक्त की। कलेक्टर श्री सिंह ने वृद्धजनों को अपने हाथो से गुलाल लगाई और चरण स्पर्श कर शुभाशीर्वाद प्राप्त किया है। इस दौरान उन्होंने सभी बुजुर्गो को अपने हाथो से मिष्ठान पैकेट वितरित किए है। कलेक्टर श्री सिंह ने इससे पहले वृद्धाश्रम में बुजुर्गो के रहने हेतु, भोजन सहित अन्य दैनिक दिनचर्या की पूर्ति हेतु किए गए प्रबंधो का अवलोकन कर जानकारियां प्राप्त की है। उन्होंने रसोई कक्ष के रोशनदान में जाली लगाने के निर्देश सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक को दिए है। कलेक्टर श्री सिंह ने वृद्धाश्रम में रहने वाले वृद्धजनों से रू-ब-रू होकर उनकी दिनचर्या कैसे गुजरती है कि जानकारियां प्राप्त की। उन्होंने होली के पावन पर्व पर क्या-क्या मिष्ठान बनाएंगे कि जानकारियां लेते हुए खूब मिलकर होली खेले। रंग और जो भी चीज चाहिए सब उपलब्ध कराई जाएगी। कलेक्टर श्री सिंह ने वृद्धजनों से आव्हान किया कि वे प्रसन्नचित मुद्रा में रहकर स्वंय आनंदित हो और दूसरो को संदेश दें। आश्रम की श्रीमती मीना सोनी ने भजन जनम-जनम का साथ हमारा तुम्हारा को गाया वहीं पंडित जी ने होरी पर वृदांवन की छंटा को बखान किया। वृद्धाश्रम की केयर टेकर सुश्री केसर जहां ने वृद्धाश्रम की व्यवस्थाओं, बुजुर्गो के संस्मरणो को सांझा किया। इस अवसर पर जिला पंचायत के अतिरिक्त सीईओ व सामाजिक न्याय विभाग के उप संचालक श्री पंकज जैन के अलावा अन्य विभागो के अधिकारी मौजूद रहे।**दीक्षा निकेतन विशेष स्कूल में पहुंचे** - कलेक्टर श्री रौशन कुमार सिंह ने श्री हरिवृद्धाश्रम के बाद पुरानी शासकीय जिला चिकित्सालय में संचालित दीक्षा निकेतन विशेष स्कूल के विद्यार्थियों से भी रू-ब-रू हुए है यहां उन्होंने राजुल विकलांग पालक अभिभावक उत्थान समिति के माध्यम से दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए मुहैया कराई जा रही सुविधाओं को सांझा किया। कलेक्टर श्री सिंह ने दिव्यांग विद्यार्थियों से संवाद कर उनका कुशल क्षेम जाना और अध्यापन कार्यो की जानकारी प्राप्त की है इस दौरान उन्होंने सभी बच्चों को उपहार में मिष्ठान के पैकेट वितरित किए वहीं गुलाल टीका लगाकर होली की अतिरिक्त शुभकामनाएं अभिव्यक्त की है।

जिला मूल्यांकन समिति की बैठक संपन्न

नागरिकगण अनुमोदित दरों पर 17 मार्च तक प्रस्तुत कर सकेंगे सुझाव

हरदा जिले के लिए अचल संपत्ति के बाजार मूल्य निर्धारण के लिए जिला मूल्यांकन समिति की बैठक कलेक्टर श्री आदित्य सिंह की अध्यक्षता में गुरूवार को कलेक्टर सभाकक्ष में सम्पन्न हुई। बैठक में वर्ष 2025-26 के लिए ''मध्यप्रदेश बाजार मूल्य मार्गदर्शक सिद्धांतों का बनाए जाना नियम-2018'' के अंतर्गत बैठक में उप जिला मूल्यांकन समितियों से प्राप्त प्रस्तावों पर विचार कर प्रस्तावित अनंतिम दरों को अनुमोदित किया गया। ये अनंतिम दरें आम जनता से सुझाव प्राप्त करने एवं आम जनता के अवलोकन के लिए अनुविभागीय अधिकारी राजस्व हरदा, खिरकिया व टिमरनी, कार्यालय जिला पंजीयक हरदा व उप पंजीयक हरदा, टिमरनी के कार्यालयों के सूचना पटल पर जन साधारण के अवलोकन हेतु उपलब्ध है। जो भी नागरिक गाईड लाईन दरों के संबंध में अपने सुझाव प्रस्तुत करना चाहते है वे अपने सुझाव तथ्यों सहित अध्यक्ष उप जिला मूल्यांकन समिति एवं अनुविभागीय अधिकारी राजस्व हरदा, खिरकिया व टिमरनी के समक्ष 17 मार्च 2025 शाम 4 बजे तक प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित दिनांक एवं समय के बाद प्राप्त सुझावों पर विचार नहीं किया जाएगा।

बसो का समय परिवर्तन हो रात्रि में सवारी को बड़ी चौपाटी की जगह बस स्टैंड उतारे

बदनावर से उज्जैन मार्ग अब फोरलेन होने से यात्रा सुगम हो गई है। जिससे अब यात्रा में लगने वाला समय भी कम लग रहा है। परंतु अभी भी यात्री बस अपने पुराने समयानुसार 3 घंटे का समय ले रही है। जबकी बदनावर से उज्जैन की दूरी मात्र 62 किलोमिटर ही है। मुख्यमंत्री से विधायक प्रतिनिधि कैलाश गुप्ता ने अनुरोध किया है कि उक्त मार्ग पर चलने वाली बसों का समय परिवतृन कर कम समय में बदनावर से उज्जैन पहुँच सके एसी व्यवस्था करें। इंदौर से बदनावर एवं रतलाम से बदनावर आने वाली यात्री बसे दिन के समय बदनावर बस स्टेण्ड पर आती है। परंतु रात्रि में यहीं बसे बदनावर बस स्टेण्ड पर नहीं आकर बस स्टेण्डसे 2 कि. मी दूर बड़ी चौपाटी पर ही यात्रियों को उतारती है। जिससे यात्रियों को बदनावर शहर में आने में बड़ी परेशानी होती है। खास तौर पर महिला एवं बुर्जग यात्री को। कृपया उक्त मार्ग पर चलने वाली बस संचालको को सख्त निर्देश दे कि वह सभी बसों को बदनावर बस स्टेण्ड तक लाकर सवारी को उतारे। बदनावर विधायक भंवर सिंह शेखावत के प्रतिनिधि कैलाश गुप्ता को आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि जल्द से जल्द मध्य प्रदेश शासन के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव इस निवेदन को स्वीकार कर जल्द ही जनता को इस दुविधा से मुक्ति दिलाएंगे।

कलेक्टर ने सीडब्ल्यूएसएस हॉस्टल के बच्चों संग होली मनायी

झाबुआ - कलेक्टर नेहा मीना ने जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र प्रांगण में स्थित सीडब्ल्यूएसएन होस्टल के मूक-बधिर बच्चों के संग होली का पर्व मनाया। कलेक्टर नेहा मीना ने हर त्यौहार पर सीडब्ल्यूएसएन होस्टल में दिव्यांग बच्चों के साथ मनायी जाने वाली परम्परा को जारी रखा। आपको बता दें कि कलेक्टर नेहा मीना हर पर्व-त्यौहार एवं शुभ अवसर को सीडब्ल्यूएसएन के बच्चों के साथ जरूर मनाते है। कलेक्टर ने हॉस्टल के बच्चो को सांकेतिक भाषा में होली की शुभकामनाएँ दी। बच्चों ने भी साइन लैंग्वेज मे कलेक्टर को होली की शुभकामनाए दी और धन्यवाद ज्ञापित किया। कलेक्टर नेहा मीना ने बच्चों को ऑर्गेनिक रंग लगाकर होली खेली जो कि आजीविका मिशन के समूहों की दीदीयों द्वारा पलाश के फूलों से बनाये गये है। कलेक्टर को अपने बीच पाकर सभी बच्चे बड़े उत्साहित नजर आए और सभी ने मिल जमकर होली का आनन्द लिया। होली का यह नजारा देखते ही बनता था बच्चों के साथ सभी ने बच्चे बनकर होली खेली। कलेक्टर ने बच्चों को पिचकारी भेंट की उन्हें मिठाई भी खिलाई। होली के अवकाश के दौरान घर लेजाने लिए के कुछ बच्चों के माता - पिता आए हुए थे जिनसे कलेक्टर ने चर्चा कर उन्हे भी रंग लगाकर होली की शुभकामनाएँ दी। समस्त बच्चों ने आनन्दित होकर कलेक्टर को धन्यवाद दिया। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी राजस्व भास्कर गाचले, डिप्टी कलेक्टर सुश्री अवनधती प्रधान, उप संचालक सामाजिक न्याय विभाग पंकज सांवले, संचालक जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र शेलेन्द्र राठौर एंव अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

चंद्रशेखर आजाद नगर भाबरा में स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया की नवीन शाखा का शुभारंभ

चंद्रशेखर आजाद नगर- चंद्रशेखर आजाद नगर(भाबरा) जिला अलीराजपुर में स्टेट बैंक ऑफ़ इंडिया की नवीन शाखा का औपचारिक शुभारंभ गुरुवार 13 मार्च 2025 को भारतीय स्टेट बैंक के ष्ठत्ररूसतीश चंद्र गुप्ता व ऋरूदीपक सिसोदिया के कर कमलो द्वारा शुभारंभ किया गया, जिसमें बैंक के सम्माननीय ग्राहक, गणमान्य नागरिक, स्थानीय अधिकारीगण पेंशनर संगठन के सदस्य व बैंक स्टाफ अधिकारी उपस्थित रहे. । स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की नवीन शाखा के खुलने आम नागरिकों किसानों ओर, व्यापारी,शासकीय अधिकारी कर्मचारीयों को लाभ मिलेगा शाखा खुलने से स्थानीय ओर क्षेत्रीय लोगों व्यापारियों में हर्ष व्याप्त है।

आलीराजपुर शहर को मिलेगा बायपास, ट्राफिक जाम से मिलेगी निजात

आलीराजपुर- भारतीय जनता पार्टी जो कहती है, वह कर के दिखाती है। विधानसभा चुनाव एवं लोकसभा चुनाव के दौरान हमारे द्वारा जो वादे क्षेत्र की जनता के बीच जा कर किए गए थे, उन सभी को मध्यप्रदेश की भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा निरंतर पुरा किया जा रहा है। इसी कडी में इस वित्तिय वर्ष के बजट में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव द्वारा बडी सौगात देते हुए आलीराजपुर में विकास की गति को बढाते हुए बजट में मजुरी दी गई है। जिसके चलते क्षेत्र में विकास की गति में प्रगति होगी वही इस क्षेत्र में रहने वाले निवासीयो एवं आमजनो को मुलभुत सुविधाए प्राप्त होगी। कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान ने बताया की वर्तमान बजट में लोक निर्माण विभाग अन्तर्गत आलीराजपुर नगर के बायपास सहित 28 बडी सडको के लिए लगभग 300 करोड के बजट की राशी स्वीकृत की गई है। इससे बनने वाली सडको सें ग्रामीण क्षेत्र के आमजनो को आवागमन की सुविधाए बढने के साथ समय की बचत भी होगी। वही आलीराजपुर नगर को 87 करोड रूपये से बनने वाले बायपास की सौगात मिली है, जिसकी मांग नगर के लोगो के द्वारा कई वर्षो से कि जा रही थी। बायपास स्वीकृत हो जाने के चलते नगर के आमजनो को ट्रेफिक अव्यवस्था से मुक्ती मिलेगी। उक्त जानकारी पत्रकार वार्ता के दौरान कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान द्वारा दी गई। पत्रकार वार्ता के दौरान कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चैहान ने कहा की लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त प्रधानमंत्री सडक योजना, स्वास्थ्य विभाग, विद्युत विभाग, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग सहित कई विभागो में बजट में प्रावधान किए गए है। जिसका लाभ आलीराजपुर क्षेत्र की जनता को मिलेगा।

जिले के अनेक ग्रामीणक्षेत्रो को मिली रोड की सौगात पत्रकार वार्ता के दौरान कैबिनेट मंत्री नागरसिंह चौहान ने कहा की अलीराजपुर जिले के अनेक दुरस्थ ग्रामीण क्षेत्रो में विगत कई वर्षो से रोड कि मांग कि जा रही थी, जिसके लिए उनके एवं सांसद श्रीमति अनिता चौहान के द्वारा मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव से मांगपत्र के माध्यम से मांग की गई थी, जिसे मुख्यमंत्री द्वारा स्वीकृती प्रदान कर दी गई है। पत्रकार वार्ता के दौरान प्रदेश कार्यसमिति सदस्य किशोर शाह, वरिष्ठ भाजपा नेता दशरथ सिंह चंदेल, जिला मीडिया प्रभारी हितेन्द्र शर्मा, विधायक प्रतिनिधी गोविन्दा गुप्ता मौजुद थे।

इन कार्यो को मिली स्वीकृती - 01. अलीराजपुर नगर से खडवा बडौदा मार्ग बायपास - 8637.60 लाख
02. ग्राम राजावट आरी फलिसे से मेन रोड अलीराजपुर - 513.06 लाख
03. ग्राम बखतगड से ग्राम उमरखड - 1593.64 लाख
04. ग्राम कटवाड़ से जामली होते हुए ग्राम रोशीय तक - 764 लाख
05. ग्राम कडवानिया से गुजरात सीमा तक मार्ग -1049 लाख
06. बिछोली हाथापाई फलिया से ग्राम ककडवाल से ग्राम सिलोटा तक मार्ग - 1043 लाख
07. ग्राम ककड़वाल से ग्राम बेजड़ा टापर फलिया तक - 1582 लाख
08. वालपुर निचला फलिया से ग्राम बेहडवा होते हुए ग्राम कुकडीया तक - 621.42 लाख
09. ग्राम थोड़सिंधी से ग्राम इरडू तक मार्ग - 1831 लाख
10. ग्राम तीती से ग्राम खारकुआ होते हुए ग्राम भाणारावत से कोदली तक - 1543 लाख
11. ग्राम बड़दला क्यारा फलिया से ग्राम डाबडी तक मार्ग - 1206 लाख
12. ग्राम आधारकांच पटेल फलिया से गुजरात सीमा तक - 795 लाख
13. ग्राम चिलवट मथवाड़ से धनबयडी मार्ग - 850 लाख
14. ग्राम फडतला से नेवागता होते हुए ग्राम थोड़सिंधी तक गार्ग - 1139 लाख
15. ग्राम आम्बी से ग्राम रोशीय तक मार्ग - 638 लाख
16. ग्राम बेसवानी से ग्राम धोरट तक मार्ग - 512 लाख
17. ग्राम बरझर हायर सेकेण्डरी स्कूल से मोरी फलिया तक मार्ग - 524 लाख
18. ग्राम बरझर वनेश्वर महादेव से महेन्द्रा मेन रोड़ तक - 277 लाख
19. बड़गांव पंचायत भवन से बारिया फलिया तक मार्ग - 359 लाख
20. रिंगोल मालमसुरी से खाण्डीवाव होते हुए भण्डारी फलिया तक मार्ग - 615 लाख
21. ग्राम बोरकुंडीया मेन रोड से तालाब फलिया तक - 421 लाख
22. छोटीपोल मेन रोड़ से ग्राम छोटा भावटा तक मार्ग - 574 लाख
23. सेजावता मेन रोड़ से खेरिया फलिया तक मार्ग - 182 लाख
24. ग्राम काकड़बारी मेन रोड़ से सिगाडिया व बामनिया फलिया तक - 256 लाख
25. निचवास से ताडअम्बा फलिया - 1253.42 लाख
26. बिजोरीया गुजरात सीमा से माफीदार फलिया - 471.62 लाख27. कालीबेल पाडा बिचडीया से डिंडवर फुलमाल रोड तक 1500 लाख

झाबुआ जिले के लोक संगीत को मिलेगी नई पहचान

35 प्लेटफॉर्म पर एक साथ रिलीज़ होगा गाना-मुंबई से झाबुआ पहुंचेंगे गीतकार संगीतकार

झाबुआ।शहर के युवा कलाकार अजीत सिंह राठौर इन दिनों आदिवासी लोकगीतों को आधुनिक संगीत में लयबद्ध कर विश्व पटल पर लाने का प्रयास कर रहे है। इस काम में स्थानीय कलाकारों को भी अपनी कला के प्रदर्शन का अवसर मिल रहा है। म्यूजिक लॉन्चिंग अवसर पर मुंबई से देव डी और उड़ता पंजाब जैसी फ़िल्म के गीतकार शैली, गुजराती एवं हिंदी हिट फ़िल्म बे यार एवं हम दो हमारे दो के प्रोड्यूसर डायरेक्टर अभिषेक जैन, फंस गए रे ओबामा एवं किस्सा जैसी फ़िल्म के संगीतकार मनीष जे टीपू, तेरा ही करम , न्यू यॉर्क जैसी फिल्मो के म्यूजिक कंपोज़र पंकज अवस्थी और फ़िल्म प्रोड्यूसर अमित देसाई भी झाबुआ में रहेंगे।

गाना एक साथ 35 से अधिक प्लेटफॉर्म पर होगा रिलीज़... अजित द्वारा लॉन्च की जा रही एएसआर म्यूजिक रिकाई्स कंपनी के माध्यम से संगीत प्रेमियों के लिए यह ओडियो और म्यूजिक वीडिओ 17 मार्च को यू-ट्यूब, इंस्टग्राम, स्पॉटी फाय , एप्पल म्यूजिक, अमेज़न म्यूजिक , जिओ सावन , हंगामा जैसे 35 से अधिक राष्ट्रीय एवं अंतराष्ट्रीय प्लेट फॉर्म पर एक साथ रिलीज़ होगा। जिससे इसके वीडिओ और ऑडियो संगीत प्रेमियों के लिए आसानी से उपलब्ध रहेगा।

इस म्यूजिक वीडियो का अधिकांश भाग झाबुआ में सूट.. इस गीत का अधिकांश भाग अलीराजपुर जिले के वालपुर, राणापुर और झाबुआ के भगोरिया मेले में शूट किया गया है। वीडिओ में स्थानीय लोक संस्कृति की छटा बिखेरने का प्रयास किया गया है। झूले चकरी के दृश्य, युवक युवतियों के नाचते झूमते, मांदल मंडलियों और कुर्राटियां लगाते चेहरों को बखूबी दर्शाया गया है।

स्थानीय कलाकारों को दिया मौका...अजीत ने बताया कि इस गाने के लिए वे खासतौर से मुंबई से भागोरिया के अवसर पर झाबुआ आए थे। उन्होंने गाने को मुंबई में कंपोज एवं प्रोग्राम किया जबकि झाबुआ के स्थानीय रैपर जेके एवं पाचू की आवाज को अघोर आर्ट स्टूडियो में रिकॉर्ड किया । मांदल की थाप को भी यहीं रिकॉर्ड किया गया ।इस म्यूजिक एलबम का आर्ट डिज़ाइन स्थानीय कलाकार अभिषेक ने तैयार किया। अजीत बहुमुखी प्रतिभा के कलाकार है, उन्हें ध्वनि मुद्रण के लिए दो बार भारत के राष्टपति से राष्ट्रीय फ़िल्म पुरुस्कार मिला है।

हत्या के 3 आरोपियों रवि, राकेश, नवीन को आजीवन कारावास व जुर्माना

शराब के धंधे के विवाद में नारायण को उतार दिया मौत के घाट, हत्या कर लाश ठिकाने लगाने के लिए आए मध्य प्रदेश

शाजापुर,- शराब के कारोबार में विवाद होने के बाद एक की हत्या कर दी गई। हत्या के तीन आरोपियों रवि, राकेश और नवीन को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नीतूकांता वर्मा ने फैसला सुनाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई। इसके साथ ही अर्थ दंड से दंडित किया गया।

मीडिया प्रभारी एवं प्रभारी डी.पी.ओ. सचिन रायकवार ने बताया कि गश्त के दौरान शाजापुर में रेलवे स्टेशन रोड पुलिया के पास बिना नंबर की स्विफ्ट डिजायर कार सफेद रंग की सामने से आते दिखी। बिना नंबर की कार होने से उस कार को रोककर चेक किया। चेकिंग के दौरान कार में बैठे चार व्यक्तियों से पूछताछ की। कार को चेक किया तो ड्रायवर सीट व पैर दान पर खून मिला। कार चालक ने अपना नाम नवीन पिता कैलाश बंजारा और रवि पिता कैलाश, निवासी-शंकरपुर जागीर, जिला-उज्जैन, राकेश पिता रमेश बंजारा, निवासी घटिया, जिला-उज्जैन, विशाल पिता अशोक लश्करी निवासी-पान बिहार, जिला-उज्जैन थे।

शराब के धंधे के विवाद में उतारा मौत के घाट

कार की डिक्की में एक व्यक्ति की लाश नजर आई, जो कि नारायण आंजना पिता शिव आंजना, उम्र 32 वर्ष, निवासी शंकरपुर जागीर, जिला-उज्जैन की थी। पूछताछ करने पर उन्होंने बताया कि मृतक नारायण आंजना से शराब के धंधे का विवाद चल रहा था, जिसे वे सभी नारायण आंजना को मारने के उद्देश्य से उसकी कार में शराब लेने की बोलकर राजस्थान लेकर गए थे। विवाद हो गया, तो नवीन, राकेश और रवि ने नारायण आंजना को गोली मार दी।

लाश को ठिकाने लगाने के लिए आए थे शाजापुर तरफ

लाश को कार की डिक्की में रखा तथा लाश को ठिकाने लगाने लिए वे शाजापुर आए थे। बाद में मौके पर पंचान के समक्ष आरोपी रवि के कब्जे से एक देशी पिस्टल, मैग्जिन व खाली कारतूस का खोका और कार को जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। आरोपियों के विरूद्ध अप0क्र.-179/2021 अंतर्गत धारा 302, 120 बी. 34 भा0द0वि0 एवं 25, 27 आर्म्स एक्ट के अधीन पंजीबद्ध कर प्रकरण विवेचना में लिया गया। घटनास्थल पर मर्ग कं0-0/21 धारा-174 जा0 फौ0 देहाती नालिसी उप निरीक्षक द्वारा पेश की, जिस पर से असल मर्ग कं0-14/21 कायम किया गया। तत्पश्चात थाना कोतवाली शाजापुर पर प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई। सम्पूर्ण अनुसंधान पश्चात आरोपियों के विरूद्ध अभियोग पत्र सक्षम न्यायालय में पेश किया।

साक्ष्य से सहमत होते हुए सुनाई सजा

प्रकरण में अभियोजन की ओर से पैरवी उपसंचालक (अभियोजन) सुश्री प्रेमलता सोलंकी शाजापुर एवं रमेश सोलंकी, अतिरिक्त (जिला लोक अभियोजन अधिकारी) जिला शाजापुर द्वारा की गई। न्यायालय ने अभियोजन के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य एवं तर्कों से सहमत होते हुए आरोपियों को दण्डित किया।

इन सभी को मिली सजा

रवि पिता कैलाश बंजारा निवासी शंकरपुर जागीर जिला उज्जैन को धारा 302 भादवि में आजीवन कारावास तथा 5000/- रुपए अर्थदण्ड, धारा 201 भादवि में 03 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 3000/- अर्थदण्ड , धारा 120बी भादवि में आजीवन कारावास तथा 3000/- रुपए अर्थदण्ड, आयुध अधिनियम 2019 की धारा 25 (1-बी)(ए) के तहत 03 वर्ष का सश्रम कारावास 3000/- रुपए अर्थदण्ड , धारा 27 (1) के तहत आजीवन कारावास 3000/- रुपए अर्थदण्ड से दण्डित।

राकेश पिता रमेश बंजारा ग्राम घटिया जिला उज्जैन को धारा 302/34 भादवि में आजीवन कारावास तथा 5000/- रुपए अर्थदण्ड, धारा 201 भादवि में 03 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 3000/- अर्थदण्ड, धारा 120 बी भादवि में आजीवन कारावास तथा 3000/- रुपए अर्थदण्ड।

नवीन पिता कैलाश बंजारा निवासी शंकरपुर जागीर जिला उज्जैन धारा 302/34 भादवि में आजीवन कारावास तथा 5000/- रुपए अर्थदण्ड, धारा 201 भादवि में 03 वर्ष के सश्रम कारावास एवं 3000/- अर्थदण्ड, धारा 120 बी भादवि में आजीवन कारावास तथा 3000/- रुपए अर्थदण्ड।

पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक धार श्री मनोज कुमार सिंह व्दारा राष्ट्रीय राजमार्ग बदनावर-उज्जैन पर ग्राम खेडा स्थित ओवरब्रिज पर दिनांक 12.03.2025 को हुई वाहन दुर्घटना स्थल पर पहुँचकर निरीक्षण कर रोड़ निर्माण एजेंसी को दिये आवश्यक निर्देश

धार~ दिनांक 12.03.2025 बुधवार को रात्रि 10.22 बजे कश्यप फैक्ट्री के नजदीक ओवर ब्रीज से 500 मीटर की दुरी पर बडनगर की ओर बदनावर से रॉंग साईड से जा रहे गैस टेंकर नंबर ल्छ.12.ड्ड.8769 ने तेजगति व लापरवाही पूर्वक सामने से आ रही कार क्रमांक स्ब्क14.ष्ठ.2552 और नई बोलेरो पीकअप (केम्पर) टेंपरेरी नंबर स्ब्क13/ज्ञ-163/2017 को टक्कर मार दी जिससे कार एवं पीकअप में सवार कुल 08 व्यक्तियों की मृत्यु हो गई जिनकी पहचान 1- गिरधारी पिता नंदलाल माखीजा उम्र 44 साल निवासी रामटेकरी मंदसौर AU Small Finance Bank में जोब करता था 2- अनिल पिता सत्यनारायण व्यास उम्र 43 साल निवासी मोटडा निवासी नामली रतलाम 3- विरम पिता प्रभूलाल धनगर निवासी मोटडा बहादुर निवासी सीतामऊ जिला मंदसौर 4- चेतन बाघरवाल पिता दिलीप बगेरवाल उम्र 23 साल निवासी खानपुरा प्रतापगढ रोड जिला मंदसौर 5- महिपाल पिता खरतराम जाट निवासी ग्राम कालीजाल राजस्थान 6- अनूप पिता हनुमानराम जाट पूनिया उम्र 23 साल निवासी जोधपुर 7- जितेन्द्र पिता श्रीराम पूनिया बडलिया थाना जबर निवासी जोधपुर 8-लिखाराम पिता मांगीलाल जाट निवासी बडलिया झंवर जिला जोधपुर राजस्थान एवं घायल 1- जगदीश पिता रामेश्वर बैरागी उम्र 50 साल निवासी जोधपुर (रतलाम मेडीकल कॉलेज रेफर) 2- दीपक पिता दुर्गाराम पूनिया जाट उम्र 30 साल निवासी जोधपुर (रतलाम मेडीकल कॉलेज रेफर) के रूप में की गई हैं ।घटना स्थल पर जिला सडक सुरक्षा उप-समिति द्वारा घटना स्थल का निरीक्षण किया गया जिसमें पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक धार मनोज कुमार सिंह, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बदनावर वसीम अहमद भट्ट, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बदनावर अरविन्द सिंह तोमर, परिवहन अधिकारी जिला धार ह्रदेश यादव, यातायात थाना प्रभारी जिला धार प्रेमसिंह ठाकुर, थाना प्रभारी बदनावर अमित सिंह कुशवाह, ह्।द्ध अधिकारी रामदेव गुर्जर, अर्पण गुप्ता, नगर पालिका परिषद बदनावर प्रतिनिधि शेखर यादव आदि उपस्थित हुये ।

पुलिस उप महानिरीक्षक/पुलिस अधीक्षक धार मनोज कुमार सिंह के निर्देशन में उप-समिति द्वारा भविष्य मे पुन~ इस प्रकार की दुर्घटनाओं को रोकने के लिये निम्नानुसार निर्णय लिये गये तथा पुलिस अधीक्षक द्वारा रोड निर्माण ऐजेंसी को निम्नानुसार निर्देश दिये गये-

1. सडक पर अभियांत्रकी कमियों को अविलंब दूर करने के निर्देश दिए गए जिसके अंतर्गत मार्ग पर स्थित मर्जिग पाईंट को सुरक्षित किया जावे एवं रोड मार्किंग एवं साईन बोर्ड का लगाये जावें। जिससे वाहन चालकों को मार्ग का स्पष्ट ज्ञान रहे ।
2. मार्ग पर प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था, रिफ्लेक्टिव रोड मार्किंग आदि के निर्देश दिए गए।
3. मार्ग पर स्थान अनुसार स्पीड लिमीट के बोर्ड लगवाए जाए।
4. रोड निर्माण ऐजेंसी यह सुनिश्चित करें कि ग्रामीण जंक्शन पर सुविधानुसार इंटर सेक्शन पाईंट बनाये जावें ।
5.गलत दिशा में वाहन चलाने वाले के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जावे।

अमेरिका की रूस से करीबी बन सकती है ईरान के लिए संकट

डेस्क- यूक्रेन युद्ध में शांति वार्ता में देखने मिल रहा है कि एक दूसरे के कट्टर दुश्मन देश अमेरिका और रूस करीब आ रहे हैं. यूक्रेन युद्ध को खत्म करना ट्रंप के चुनावी वादों में से एक है और इसे पूरा करने के लिए इस वक्त उन्होंने जान लगा दी. जो कभी रूस के राष्ट्रपति को पसंद नहीं करते थे, वही ट्रंप यूक्रेन को लेकर उनसे फोन पर बात कर चुके हैं और सऊदी अरब में उनके डेलिगेशन ने रूसी अधिकारियों से मुलाकात की है. अमेरिका और रूस की करीब जहां कई देशों के लिए फायदा का सौदा है, तो ईरान के लिए खतरे की घंटी दिखाई दे रहा है. रूसी मूल की पत्रकार और फिल्म निर्माता तान्या लुक्यानोवा ने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व में अमेरिका और रूस के बीच तेजी से सुधरते संबंधों का मतलब यह हो सकता है कि मास्को, वाशिंगटन के मध्यपूर्व दुश्मन ईरान से दूरी बनाना चाहेगा. लुक्यानोवा ने आई फॉर ईरान पॉडकास्ट को बताया, ऐसा प्रतीत होता है कि रूस अब ईरानी सैन्य सहायता में उतनी रुचि नहीं रखता है, क्योंकि यूक्रेन की लड़ाई में स्थिति बदल रही है और अमेरिका और यूक्रेन द्वारा प्रस्तावित युद्ध विराम के साथ भू-राजनीतिक स्थिति भी बदल रही है. बता दें कि इस पूरे युद्ध के दौरान ईरान ने रूस का खूब साथ दिया है, लेकिन रूस के ट्रंप के पाले में जाने के बाद ईरान को बड़ा झटका लग सकता है. रूसी सरकारी मीडिया के मुताबिक पुतिन ने पिछले हफ्ते वाशिंगटन और तेहरान के बीच परमाणु वार्ता में मध्यस्थता करने पर सहमति जताई थी, जिससे वह समीकरण बिगड़ गया जिसमें ईरान और रूस सालों से करीब आ रहे थे. लुक्यानोवा ने कहा, फरवरी 2022 में यूक्रेन पर पूर्ण पैमाने पर आक्रमण की शुरुआत के बाद से ईरान-रूस के रिश्ते मजबूत हुए थे, इस दौरान ईरान रूस के लिए एक प्रमुख भागीदार बन गया था. पश्चिमी देशों का कहना है कि रूस ने इस युद्ध में ईरानी उपकरण जैसे कि उसके ड्रोन, हथियार और मिसाइलों का इस्तेमाल किया और ईरान की पार्टनरशिप ने उसको अमेरिकी सैंक्शंस को बाईपास करने में मदद की.

पहले लगी बोली फिर हुआ समझौता महिला ने 18 करोड़ में बेची वर्जिनिटी

डेस्क ब्रिटेन में एक 22 साल की महिला काफी चर्चा में है. उसने अपनी वर्जिनिटी को बेचने के लिए 18 करोड़ रुपये लिए. महिला ने वर्जिनिटी को लगभग 1.7 मिलियन यूरो में बेच दिया. ये महिला मैनचेस्टर की स्टूडेंट है. स्टूडेंट का नाम लॉरा है. उसने 2023 में ही वर्जिनिटी को बेचने का फैसला लिया था. इसके लिए एस्कॉर्ट एजेंसी में आवेदन दिया था. इसके बाद वह कुछ महीनों बाद वर्जिनिटी को खरीदने के लिए संभावित खरीदारों से मिलने के कार्यक्रमों में शामिल हुई.

मिरर के मुताबिक, धार्मिक पृष्ठभूमि से आने वाली लौरा ने कहा कि उसे अपने फैसले पर कोई पछतावा नहीं है. उसने अपने फैसले को वित्तीय सुरक्षा के लिए एक व्यावहारिक कदम बताया. उसने कहा कि मुझे इसका कोई भी पछतावा नहीं है. कई लड़कियां बिना बदले में कुछ पाए ही अपनी वर्जिनिटी खो देती हैं. कम से कम मैंने ऐसा करके अपना भविष्य सुरक्षित कर लिया.लॉरा ने कहा कि इस नीलामी में राजनेताओं, व्यवसायिक दिग्गजों और मशहूर हस्तियों ने भी रुचि दिखाई. उन्होंने खुलासा किया कि कि लॉस एंजिल्स के एक बेहद फेमस हॉलीवुड अभिनेता ने लंदन के एक राजनेता और दुबई के एक बिजनेस मैन को पीछे करते हुए इस नीलामी को जीत लिया.

लॉरा ने कहा कि इस नीलामी में राजनेताओं, व्यवसायिक दिग्गजों और मशहूर हस्तियों ने भी रुचि दिखाई. उसने बताया कि लॉस एंजिल्स के एक बेहद फेमस हॉलीवुड अभिनेता ने लंदन के एक राजनेता और दुबई के एक बिजनेस मैन को पीछे करते हुए इस नीलामी को जीत लिया.

इसके बाद, एक डेट तय की गई और लॉरा, एस्कॉर्ट साइट के एक टीम सदस्य के साथ, लंदन के एक फाइव स्टार होटल में अभिनेता से मिलने गई. समझौते के हिस्से के रूप में, उसने अपनी वर्जिनिटी की सही होने के लिए खरीदार की उपस्थिति में एक मेडिकल जांच भी करवाई. आउटलेट मुताबिक, इस प्रक्रिया को सभी पक्षों की पहचान की सुरक्षा के लिए सावधानीपूर्वक रोका गया था.

लॉरा ने अपने विवादित फैसले के पीछे के कारण के बारे में बताया कि उन्हें खुशी है कि उसने अपनी पसंद को अपनाया. मुझे खुशी है कि मैंने यह फैसला लिया, क्योंकि मैं एक शख्स के तौर पर बहुत तर्कसंगत रूप से सोचती हूं. इस बात की संभावना बहुत ज्यादा थी कि मैं किसी ऐसे शख्स के साथ अपनी वर्जिनिटी खो देती, जो उसके बाद कभी भी मुझसे शादी नहीं करता.

संयुक्त राष्ट्र में भारत की पड़ोसी देश को खरी-खरी, पाकिस्तान की कट्टरपंथी मानसिकता जगजाहिर

न्यूयॉर्क. संयुक्त राष्ट्र न्यूयॉर्क में पाकिस्तान को एक बार फिर मुंह की खानी पड़ी है। एक बार फिर दुनिया के सामने उसकी किरकिरी हुई है और उसे शर्मिंदा होना पड़ा है। दरअसल, भारत ने पाकिस्तान द्वारा जम्मू-कश्मीर का जिक्र किए जाने के बाद उसे खूब खरी खोटी सुनाई। भारत ने कहा कि पाकिस्तान की कट्टरपंथी मानसिकता जगजाहिर है। उसकी कट्टरता का रिकॉर्ड भी पूरी दुनिया के सामने है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पार्वथानेनी हरीश (ने कहा, 'अपनी आदत से मजबूर पाकिस्तान के पूर्व विदेश सचिव ने भारतीय संघ शासित प्रदेश जम्मू और कश्मीर का अनुचित संदर्भ दिया। बार-बार ऐसी बेतुकी बाते करने से न तो उनके झूठ और पाखंड को सच मान लिया जाएगा और न ही सीमा पार आतंकवाद के उनके कुकृत्य को सही ठहराया जा सकेगा। इस देश की कट्टरपंथी मानसिकता जगजाहिर है। साथ ही कट्टरता का उसका रिकॉर्ड भी पूरी दुनिया के सामने है। इस तरह के प्रयासों से यह वास्तविकता नहीं बदलेगी कि जम्मू और कश्मीर भारत का अभिन्न अंग था, है और हमेशा रहेगा...

'हिंसा में चिंताजनक वृद्धि देखी'

उन्होंने कहा कि हमने हाल ही में पूजा स्थलों और धार्मिक समुदायों को निशाना बनाकर हो रही हिंसा में चिंताजनक वृद्धि देखी है। इसका मुकाबला केवल सभी सदस्य देशों की ओर से सभी धर्मों के लिए समान सम्मान के सिद्धांत के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता और ठोस कार्रवाई से ही किया जा सकता है। सभी देशों को अपने सभी नागरिकों के साथ समान व्यवहार करने के लिए प्रतिबद्ध होना चाहिए। उन्हें ऐसी नीतियों का पालन नहीं करना चाहिए, जो धार्मिक भेदभाव को बढ़ावा देती हों।

'शिक्षा प्रणाली रूढ़िवादिता को कायम न रखे या कट्टरता को बढ़ावा न दे'

पार्वथानेनी हरीश ने कहा कि हमें यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि शिक्षा प्रणाली रूढ़िवादिता को कायम न रखे या कट्टरता को बढ़ावा न दे। हमें याद रखना चाहिए कि इस्लामोफोबिया के खिलाफ लड़ाई धार्मिक भेदभाव के सभी रूपों के खिलाफ व्यापक संघर्ष से अविभाज्य है, जैसा कि 1981 की घोषणा में सही ढंग से बताया गया था। आइए हम एक ऐसे भविष्य की दिशा में काम करें, जहां हर व्यक्ति चाहे उसका धर्म कुछ भी हो, गरिमा, सुरक्षा और सम्मान के साथ रह सके।

बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स की अंतरिक्ष से वापसी के लिए SpaceX ने लॉन्च किया मिशन

नई दिल्ली. SpaceX ने शनिवार सुबह अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए अपना क्रू-10 मिशन लॉन्च किया. यह मिशन ह्यूस्टन की अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स की पृथ्वी पर वापसी की दिशा में एक बड़ा कदम है. क्रू-10 के चार एस्ट्रोनॉट्स क्रू-9 अंतरिक्ष यात्रियों की सहायता करेंगे, जिसमें फंसे हुए सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर शामिल हैं.

इस लॉन्च को पहले हफ्ते के शुरू में ही शुरू किया जाना था, लेकिन तकनीकी समस्याओं और उसके बाद लॉन्च एरिया में तेज़ हवाओं की वजह से मिशन लॉन्च करने में देरी हुई.

क्रू ड्रैगन कैप्सूल को ले जाने वाले स्पेसएक्स फाल्कन 9 रॉकेट ने शनिवार, 15 मार्च को करीब 4:33 बजे IST पर उड़ान भरी. यह मिशन NAS के कमर्शियल क्रू प्रोग्राम का हिस्सा है और यह ISS में चार नए अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर आएगा. इनमें NAS के ऐनी मैकक्लेन और निकोल एयर्स, JAX के ताकुया ओनिशी और Roscosmos के किरिल पेसकोव के नाम शामिल हैं.

ISS-9 टीम के बुधवार, 19 मार्च से पहले ISS से निकलने की उम्मीद है, बशर्ते फ्लोरिडा के तट पर मौसम अनुकूल रहे. बता दें कि सुनीता विलियम्स, बुच विल्मोर के साथ, जून 2024 में उड़ाए गए बोइंग स्टारलाइनर अंतरिक्ष यान में समस्याओं के कारण ISS में लंबे वक्त तक रुके हुए हैं.

ट्रंप ने दी थी मस्क को जिम्मेदारी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपना पद संभालने के बाद Elon Musk को दोनों एस्ट्रोनॉट्स को वापस धरती पर लाने की जिम्मेदारी दी थी. उन्होंने मस्क से कहा था कि दोनों एस्ट्रोनॉट्स को जल्द से जल्द पृथ्वी पर वापस लाया जाए. सुनीता विलियम्स पिछले साल 5 जून को इंटरनेशनल स्पेश स्टेशन गई थी. उन्हें एक हफ्ते बाद वापस लौटना था, लेकिन बोइंग स्टारलाइनर में गड़बड़ी की वजह से वो वहां पर फंस गईं. दोनों एस्ट्रोनॉट्स बोइंग और नासा के जॉइंट क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन पर स्पेस गए थे.

मार्क कार्नी ने कनाडा के 24वें प्रधानमंत्री के रूप में ली शपथ, जस्टिन ट्रूडो को किया रिप्लेस

नई दिल्ली. मार्क कार्नी ने शुक्रवार को कनाडा के 24वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ली. उन्होंने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सत्ता में वापसी के बाद अमेरिका के साथ बिगड़ते संबंधों के बीच सरकार की बागडोर संभाली है. कार्नी ने जस्टिन ट्रूडो की जगह ली है, जो 2015 से कनाडा के प्रधानमंत्री थे. मार्क कार्नी का नाम बैंकिंग और वित्तीय जगत में एक भरोसेमंद नेतृत्व के रूप में जाना जाता है. 2008 से बैंक ऑफ कनाडा के प्रमुख के रूप में भी काम कर चुके हैं, तब उन्होंने ग्लोबल इकोनोमिक क्राइसिस में देश की अर्थव्यवस्था को स्थिर रखा था. 2013 में, वे बैंक ऑफ इंग्लैंड के पहले गैर-ब्रिटिश गवर्नर बने और वहां भी ब्रेक्सिट के समय के आर्थिक प्रभावों को कम करने में अहम भूमिका निभाई.

अमेरिका के साथ संबंध सुधारने पर होगा फोकस! ट्रंप की वापसी से कनाडा और अमेरिका के ऐतिहासिक संबंधों में दरार आ गई थी और इन चुनौतियों के बीच नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी का मुख्य फोकस इन संबंधों को सुधारने पर होगा. पूर्व सेंट्रल बैंकर को रविवार को लिबरल पार्टी ऑफ कनाडा का नेता चुना गया था.

ट्रूडो के 37 की जगह, कैबिनेट में होंगे 15-20 मंत्री! ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, मार्क कार्नी का नया मंत्रिमंडल ट्रूडो के कैबिनेट के आकार का लगभग आधा हो सकता है. सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में बताया गया था कि उनके मंत्रिमंडल में 15 से 20 मंत्री होने की उम्मीद है, जबकि वर्तमान में प्रधानमंत्री सहित 37 मंत्री हैं.

ट्रंप का दबाव, कनाडा में अमेरिकी प्रोडक्ट्स का बॉयकॉट ट्रंप ने कनाडा के स्टील और एल्युमीनियम पर 25% टैरिफ लगाया है और 2 अप्रैल को सभी कनाडाई प्रोडक्ट्स पर बड़े टैरिफ लगाने की धमकी दे रहे हैं. उन्होंने अपने विलय की धमकियों में आर्थिक दबाव की धमकी दी है और सुझाव दिया है कि बार्डर बस एक एक फिक्शनल लाइन है. अमेरिकी व्यापार युद्ध और ट्रंप द्वारा कनाडा को 51वां अमेरिकी राज्य बनाने की बात ने कनाडाई लोगों को पसंद नहीं आ रहा है, जो ह॥रुऔर ह्वक्र खेलों में अमेरिकी राष्ट्रगान का विरोध कर रहे हैं. बताया जा रहा है कि स्थानीय लोग जब भी संभव हो अमेरिकी सामान खरीदने से बच रहे हैं, और वे अमेरिकी प्रोडक्ट्स का बॉयकॉट कर रहे हैं.

2001 नरसंहार का मास्टरमाइंड कौन... सच जानती है जनता- प्रचंड के बयान से नेपाल की सियासत में उबाल

काठमांडू। नेपाल के पूर्व प्रधानमंत्री और सीपीएन-माओवादी सेंटर के अध्यक्ष पुष्पकमल दहल 'प्रचंड') ने कहा कि नेपाली जनता जानती है कि 2001 में हुए शाही महल नरसंहार के पीछे कौन मास्टरमाइंड है, जिसमें तत्कालीन राजा बीरेंद्र शाह के पूरे परिवार की हत्या कर दी गई थी। उन्होंने कहा कि राजशाही हत्याकांड के पीछे का व्यक्ति अब बड़ी-बड़ी बातें कर रहा है। प्रचंड के इस बयान से नेपाली सियासत में उबाल आ गया है।

प्रचंड ने शुक्रवार को सिंधुपालचौक जिले में अपनी पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हत्याकांड को राजपरिवार के ही लोगों ने अंजाम दिया था। इस दौरान उन्होंने पूर्व राजा ज्ञानेंद्र पर गंभीर आरोप लगाया और कहा, 'किसने अपने ही भाई को मारा?'

1 जून 2001 की रात हुआ था हत्याकांड 1 जून, 2001 की रात, रानी ऐश्वर्या और युवराज दीपेंद्र सहित बीरेंद्र के पूरे परिवार को रहस्यमय तरीके से मार दिया गया था। हालांकि, घटना के बाद गठित आधिकारिक जांच समिति ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि युवराज दीपेंद्र ने खुद को मारने से पहले अपने परिवार के सभी लोगों की हत्या की थी, लेकिन कई लोगों ने इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया।

पूर्व राजा पर सोने की तस्करी का भी आरोप लगाया प्रचंड ने पूर्व राजा ज्ञानेंद्र पर सोने की तस्करी और मूर्तियों की चोरी में शामिल होने का आरोप भी लगाया। उन्होंने कहा, 'जो पहले बड़ी मूर्तियां चुराता था, वह अब राजा बनने की कोशिश कर रहा है।'

पहले कार्यकाल में महल हत्याकांड की जांच कराने की थी घोषणा

प्रचंड ने याद दिलाया कि जब वह पहले प्रधानमंत्री बने थे, तो उन्होंने महल हत्याकांड की फिर से जांच कराने की घोषणा की थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। उन्होंने कहा, 'अगर मैं पांच साल का कार्यकाल पूरा करता, तो देशद्रोही को दंडित करना संभव होता।'

प्रचंड ने पूर्व सम्राट को दी चेतावनी

प्रचंड ने पूर्व सम्राट को चेतावनी दी कि संघीय लोकतांत्रिक गणराज्य को लोगों के बलिदानों से स्थापित किया गया है और इसे केवल 10,000 से 15,000 लोगों को सड़क पर लाकर नहीं छीना जा सकता। उन्होंने राजशाही समर्थकों के खिलाफ 28 मार्च को काठमांडू में आयोजित होने वाली भव्य रैली में भाग लेने के लिए लोगों से अपील भी की।

अमेरिका से ट्रेड वॉर के बीच चीन में छाईं ट्रंप की सेक्रेटरी कैरोलिन लेविट

नई दिल्ली । एक-दूसरे पर टैरिफ हमलों के बाद अमेरिका और चीन में ट्रेड वॉर चल रहा है। व्यापारिक तनातनी के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट () चीन में ऑनलाइन स्टार बन गई हैं। इसके पीछे की वजह कई वजहों में कुछ उनकी खूबसूरती और सुनहरे बाल भी हैं। उनके वाइट हाउस में पत्रकारों से बहस के वायरल वीडियो चीन में धूम मचा रहे हैं।

27 वर्षीय कैरोलिन अमेरिका की सबसे कम उम्र की वाइट हाउस प्रेस सचिव हैं। हाल ही में सोशल मीडिया पर वायरल हो गईं। अमेरिकी पत्रकारों को बेबाकी से जवाब देते कैरोलीन के वीडियो चीनी सोशल मीडिया पर तेजी से फैल रहे हैं।

चीन में क्यों हो रही चर्चा साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, चीनी सोशल मीडिया यूजर्स का कहना है कि लेविट की खूबसूरती, आत्मविश्वास और कार्यस्थल पर मजबूती से अपनी बात रखने का तरीका उन्हें प्रेरित कर रहा है। शानडोंग प्रांत की एक सोशल मीडिया यूजर झांग जियेयी ने लिखा, वह वास्तव में सुंदर, सुनहरे बालों वाली और बहुत प्रभावशाली वक्ता हैं। एक अन्य यूजर स्टीवन टियान ने कहा, वह स्मार्ट, मजबूत और ताज़गीभरी हैं। हमें कार्यस्थल पर उनसे सीखना चाहिए कि कैसे आत्मविश्वास से अपनी बात रखें।

महिलाओं के लिए प्रेरणा कुछ का मानना है कि कैरोलिन चीन में आधुनिक और स्वतंत्र महिलाओं की नई छवि को दर्शाती हैं। परंपरागत रूप से चीन में महिलाओं को परिवार की देखभाल करने की भूमिका में देखा जाता था, लेकिन अब शिक्षा और आर्थिक स्वतंत्रता के बढ़ते अवसरों के कारण महिलाएं अपने करियर पर भी ध्यान दे रही हैं।

कैरोलिन का राजनीतिक सफर कैरोलिन लेविट न्यू हैम्पशायर के एक छोटे से शहर से ताल्लुक रखती हैं और अपने परिवार में पहली सदस्य हैं। उन्होंने ग्रेजुएशन किया है। 2020 में ट्रंप की पूर्ववर्ती सरकार में उन्होंने सहायक प्रेस सचिव के रूप में काम किया। 2021 में अमेरिकी सांसद एलीस स्टेफानिक के कार्यालय में कार्य किया। 2022 में कांग्रेस चुनाव में भाग लिया, लेकिन हार गईं। 2024 में वो फिर से ट्रंप प्रशासन की प्रेस सचिव बनीं। लेविट ने 32 साल बड़े रियल एस्टेट डेवलपर निकोलस रिकियो से शादी की है और हाल ही में मां बनी हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0 ।31-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569